Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 01 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, गुरुवार 06 जून 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

मांस निर्यात पर प्रतिबंध हो तो भारत में अहिंसा का सबसे महान कार्य होगा।

It will be a great achievement of nonviolence if meat export is banned in india.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

राहुल गांधी रायबरेली से बनेंगे सांसद, छोड़ेंगे वायनाड सीट

नई दिल्ली (आरएनएस)। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे साफ हो चुके हैं. नतीजों में बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है और एनडीए को बहुमत मिल गया है. इस बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है. राहुल गांधी केरल की वायनाड लोकसभा सीट छोड़ सकते हैं. सूत्रों का दावा है कि राहुल गांधी उत्तर प्रदेश की रायबरेली सीट से ही संसद तक का सफर तय करेंगे. सूत्रों के मुताबिक रायबरेली में राहुल गांधी की जीत का मार्जिन ज्यादा है. इसके साथ ही ये उनकी मां सोनिया गांधी की पूर्व संसदीय सीट भी है.

नवीन पटनायक ने ओडिशा के सीएम पद से दिया इस्तीफा

भुवनेश्वर (आरएनएस)। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने विधानसभा चुनाव में पार्टी की हार के बाद बुधवार को राज्यपाल रघुबर दास से मुलाकात की और अपना इस्तीफा सौंप दिया। सीएम पटनायक अपने दो दशक से अधिक लंबे राजनीतिक करियर में पहली बार विधानसभा में विपक्ष की बेंच पर बैठेंगे। पटनायक बुधवार सुबह राज्यपाल के घर गए और अपना इस्तीफा सौंप दिया। इसके बाद पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की पटनायक के आवास पर एक बैठक हुई जिसमें भविष्य की रणनीति पर चर्चा की गई।

एनडीए नेताओं ने पीएम मोदी की मेहनत और प्रयासों की सराहना करते हुए दी बधाई

प्रधानमंत्री आवास पर हुई NDA की बैठक, सभी दलों ने सर्वसम्मति से नरेंद्र मोदी को चुना अपना नेता

एनडीए की नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 8 जून को हो सकता है

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री आवास पर बुधवार को हुई एनडीए की बैठक में सभी दलों ने सर्वसम्मति से नरेंद्र मोदी को अपना नेता चुन लिया है।

सूत्रों के मुताबिक, बैठक में मौजूद एनडीए के सभी नेताओं ने प्रधानमंत्री को उनके नेतृत्व और उनके नेतृत्व में देश द्वारा की गई प्रगति के लिए बधाई दी। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में पीएम की मेहनत और प्रयासों की सराहना की।

एनडीए सहयोगियों ने कहा कि पीएम मोदी के पास विकसित भारत के लिए एक स्पष्ट दृष्टिकोण है और वे इस लक्ष्य में भागीदार हैं। उन्होंने दुनिया में भारत का गौरव बढ़ाने में पीएम की भूमिका की सराहना की। एनडीए नेताओं ने गरीबी उन्मूलन की दिशा में पीएम मोदी के प्रयासों की सराहना की और अच्छा काम जारी रखने का संकल्प भी लिया। एनडीए नेताओं की बैठक में बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि यह लगातार तीसरी सरकार के लिए ऐतिहासिक जनादेश है, जो भारत में आखिरी बार 60 साल पहले मिला था। पीएम आवास, 7 लोक कल्याण मार्ग पर हुई बैठक में एनडीए नेताओं ने प्रस्ताव पारित कर कहा, भारत के 140 करोड़ देशवासियों ने पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों से देश को हर क्षेत्र में विकसित होते देखा है। बहुत लंबे अंतराल, लगभग 6 दशक के बाद भारत की जनता ने लगातार तीसरी बार पूर्ण बहुमत से सशक्त नेतृत्व को चुना है। हम सभी को गर्व है कि 2024 का लोकसभा चुनाव एनडीए ने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एकजुटता से लड़ा और जीता। हम सभी एनडीए के नेता नरेंद्र मोदी को सर्वसम्मति से अपना नेता चुनते हैं।

प्रस्ताव में आगे कहा गया, मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए सरकार भारत के गरीब-महिला-युवा-किसान और शोषित, वंचित व पीड़ित नागरिकों की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत की विरासत को संरक्षित कर देश के सर्वांगीण विकास हेतु एनडीए सरकार भारत के जन-जन के जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए कार्य करती रहेगी।

प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में पीएम आवास में हुई बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, बिहार के मुख्यमंत्री एवं जेडीयू नेता नीतीश कुमार, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एवं शिवसेना (शिंदे गुट) के नेता एकनाथ शिंदे, टीडीपी मुखिया चंद्रबाबू नायडू, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) से चिराग पासवान, एनसीपी (अजित पवार गुट) से प्रफुल्ल पटेल एवं सुनील तटकरे, अपना दल (एस) से अनुप्रिया पटेल, आरएलडी से जयंत चौधरी, जेडीएस से एचडी कुमारस्वामी, जनसेना पार्टी से पवन कल्याण, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा से जीतन राम मांझी, असम गण परिषद से अतुल बोरा, आजसू से सुदेश महतो, जेडीयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह एवं जेडीयू के राष्ट्रीय महासचिव संजय झा सहित एनडीए में शामिल अन्य सहयोगी दलों के भी कई नेता मौजूद रहे। बैठक में मौजूद सभी दलों के नेताओं ने जीत के लिए प्रधानमंत्री मोदी को बधाई देते हुए उनके नेतृत्व में आस्था भी व्यक्त की। पीएम मोदी के बगल में एक तरफ चंद्रबाबू नायडू, नीतीश कुमार, एकनाथ शिंदे और दूसरी तरफ जेपी नड्डा, राजनाथ सिंह और अमित शाह बैठे नजर आए। बताया जा रहा है कि एनडीए की नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 8 जून को हो सकता है।

इंडिया गठबंधन के नेता कांग्रेस अध्यक्ष के निवास पर हुई इंडिया गठबंधन की बैठक

फासिस्ट ताकतों के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी : मल्लिकार्जुन खड़गे

नई दिल्ली (एजेंसी)। I.N.D.I.A की भी बुधवार शाम 6 बजे इंडिया गठबंधन के नेता कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर बैठक हुई। यह बैठक डेढ़ घंटे चली। 19 पार्टियों के 33 नेता शामिल हुए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गेने कहा कि फासिस्ट ताकतों के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी, हम उस वक्त सही समय पर सही कदम उठाएंगे, जब लगेगा कि भाजपा सरकार लोगों की इच्छा के अनुसार सही कदम नहीं उठा रही।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि हमारे गठबंधन को जबर्दस्त समर्थन मिला है। लोगों ने भाजपा सरकार की नीतियों के खिलाफ जनादेश दिया है। लोकसभा चुनाव में I.N.D.I.A को 234 सीटें मिली हैं। सरकार बनाने के लिए गठबंधन को 272 सांसदों का समर्थन चाहिए। बैठक के पहले गठबंधन के कई नेता चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार को से बातचीत की बात करते रहे। चंद्रबाबू की टीडीपी को 16 सीट और नीतीश की जेडीयू12 सीटें मिली हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पीएम पद से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली (आरएनएस)। नरेंद्र मोदी बुधवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया. वह राष्ट्रपति भवन पहुंचे और उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपना इस्तीफा सौंपा. राष्ट्रपति ने इसे स्वीकार कर लिया है और उन्हें कार्यवाहक प्रधानमंत्री बने रहने को कहा है. पीएम मोदी और राष्ट्रपति मुर्मू की मुलाकात की तस्वीरें भी सामने आई हैं, जिसमें वह इस्तीफा सौंपते हुए नजर आ रहे हैं. पीएम मोदी दिल्ली में एनडीए की होने वाली बैठक से पहले राष्ट्रपति मुर्मू को इस्तीफा सौंपा है.

पूर्वोत्तर में कांग्रेस की वापसी, 7 सीटों पर एनडीए को हराया

नई दिल्ली (आरएनएस)। लोकसभा चुनाव 2024 के परिणाम सामने आ चुके हैं। इस बार देश के दूसरे राज्यों के अलावा कांग्रेस ने पूर्वोत्तर के राज्यों में भी अपना प्रदर्शन सुधारा है।कांग्रेस ने पूर्वोत्तर के 8 राज्यों की 25 लोकसभा सीटों में से 7 पर चुनाव जीता है। उसने यहां सीधे तौर पर भाजपा और उसके राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सहयोगियों को टक्कर दी।2019 के चुनाव में कांग्रेस ने पूर्वोत्तर से महज 4 सीटें और भाजपा ने 14 सीटें जीती थीं। असम की 14 सीटों में कांग्रेस ने 3 सीटें जीती हैं, जबकि भाजपा ने 2019 के चुनावों की तरह 9 सीटें जीती।

नौ जून को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे प्रेम सिंह तमांग

प्रचंड जीत के लिए जनता का किया आभार

गंगटोक (आरएनएस)। सिक्किम विधानसभा चुनावों में सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) ने जीत हासिल की है। पार्टी ने राज्य की एक सीट छोड़कर सभी सीटें जीत ली हैं। इस बीच, बुधवार को एसकेएम सुप्रीमो प्रेम सिंह तमांग ने बुधवार को कहा कि वे नौ जून को दूसरे कार्यकाल के लिए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगे। तमांग और उनके मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण समारोह राजधानी गंगटोक स्थित पलजोर स्टेडियम में होगा।

शपथ ग्रहण समारोह के बारे में तमांग ने आगे कहा कि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग शामिल होंगे। लोगों के अलावा, एसकेएम कार्यकर्ता भी समारोह में शिरकत करेंगे। उन्होंने एक बार फिर जनता का आभार जताया, जिन्होंने बड़ी संख्या में एसकेएम सदस्यों को विधानसभा पहुंचाया। तमांग ने कार्यकर्ताओं के समर्पण और उनकी कड़ी मेहनत को भी सराहा। उन्होंने कहा कि पार्टी को कार्यकर्ताओं के कारण ही चुनावों में भारी जीत मिली। उन्होंने एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि वे लोकसभा में एनडीए के साथ हैं।

लोकसभा चुनाव में विजयी हुए बृजमोहन अग्रवाल से मिलकर चेंबर प्रतिनिधि मंडल ने दी शुभकामनाएं

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तम गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव, राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल ने बताया कि 8 बार विधायक और 5 बार मंत्री रह चुके एवं वर्तमान में छत्तीसगढ़ में सबसे ज्यादा 5, 75, 285 मतों से रायपुर लोकसभा चुनाव में जीतने वाले सहज सरल व्यक्तित्व के धनी माननीय श्री बृजमोहन अग्रवाल जी से आज चेंबर प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी के नेतृत्व में चेंबर प्रतिनिधि मंडल मिला तथा पुष्पगुच्छ भेंट कर बधाई एवं शुभकामनायें दी।

इस अवसर चेम्बर सलाहकार अमर गिदवानी, जितेन्द्र दोशी, प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव, कार्यकारी महामंत्री कपिल दोशी, उपाध्यक्ष-टी.श्रीनिवास रेड्डी, भरत जैन, मोहन वर्ल्यानी, विकास पंजवानी, मंत्री-नीलेश मूंधड़ा, लोकेश साहू, जयराम कुकरेजा, महेश खिलोसिया, युवा चेम्बर वरिष्ठ उपाध्यक्ष हिमांशु वर्मा, जयंत मोहता, परविंदर चावला, गुरमीत सिंह रंधावा, महिला चेम्बर संरक्षक श्रीमती आभा मिश्रा, अध्यक्ष श्रीमती मधु अरोरा, कोषाध्यक्ष श्रीमती प्रेरणा भट्ट, श्रीमती ईला गुप्ता, श्रीमती नीलम दिवाकीर्ति, श्रीमती इंदिरा जैन आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने अपने निवास परिसर में रोपा नीम, रुद्राक्ष और चीकू का पौधा

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर अपनी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय एवं परिवार जनों के साथ अपने निवास परिसर में चीकू, नीम और रुद्राक्ष का पौधा रोपा। उन्होंने इस अवसर पर प्रदेशवासियों से अपने घरों में और आस-पास पौधा लगाने और पौधों को जीवित रखने की जिम्मेदारी लेने की अपील की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आने वाले मानसून में ज्यादा से ज्यादा वृक्षारोपण करें और अपने घर, आसपास के परिवेश, गांव और शहरों और जंगलों को खूब हरा-भरा बनाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पर्यावरण के संरक्षण के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। इस अवसर पर डीएफओ श्री लोकनाथ पटेल, एसडीओ श्री व्ही. एन. मुखर्जी एवं मुख्यमंत्री निवास के अधिकारी कर्मचारी भी उपस्थित थे।

ईपीसीएच ने दुबई में इंडेक्स मेले में मौजूदगी दर्ज कराई, भारतीय पवेलियन कर रहा प्रीमियम खरीदारों को आकर्षित

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। इंडेक्स फेयर, 04 से 06 जून तक दुबई वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में शुरू हो गया है ढ्ढ इस मेले में ईपीसीएच इंडिया पवेलियन का उद्घाटन श्री के. कालीमुथु, वाणिज्य दूत, भारतीय महावाणिज्य दूतावास, दुबई ने ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर. के. वर्मा और अन्य निर्यातक सदस्यों की मौजूदगी में किया।

ईपीसीएच के श्री राजेश रावत, अतिरिक्त कार्यकारी निदेशक- ईपीसीएच ने बताया कि यह मेला भारतीय निर्यातकों को मध्य-पूर्व के प्रीमियम खरीदारों के आगे अपने अनूठे हस्तशिल्प उत्पादों को प्रदर्शित करने के कई अवसर प्रदान करता है। श्री के. कालीमुथु, वाणिज्य दूत, भारतीय महावाणिज्य दूतावास, दुबई ने भारतीय पवेलियन का उद्घाटन करते हुए भारतीय हस्तशिल्प को विश्व बाजारों में लाने और देश से हस्तशिल्प निर्यात को बढ़ावा देने के लिए ईपीसीएच के निरंतर प्रयासों की सराहना की। सीजीआई ने भारतीय प्रदर्शकों से बातचीत की और यूएई में व्यापार को बढ़ावा देने के लिए जरूरी मदद की पेशकश की। ईपीसीएच अध्यक्ष श्री दिलीप बैद ने बताया कि परिषद नियमित तौर पर इंडेक्स फेयर, दुबई, यूएई में भाग लेती है, इससे यूएई के बाजार की विविधता के बारे में जानकारी मिलती है। इंडेक्स दुबई डिजाइन पर आधारित उत्पादों का पश्चिम एशिया और उत्तरी अफ्रीका (डब्ल्यूएएनए) में सबसे बड़ा व्यापार मेला है।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह, नगर निगम कमिश्नर अबिनाश मिश्रा ने लगाया नव गुरुकुल में हरि शंकरी का पौधा

देव वृक्ष की मान्यता है हरिशंकरी पौधे को

रायपुर (विश्व परिवार)। पर्यावरण दिवस पर रायपुर कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह और नगर निगम रायपुर के कमिश्नर श्री अबिनाश मिश्रा ने वृक्षारोपण किया। इस दौरान उन्होंने हरिशंकरी पौधे का रोपण कर इसके महत्व से भावी पीढ़ी को भी अवगत कराने का आह्वान सभी से किया।नगर निगम के अधीक्षण अभियंता राजेश शर्मा, कार्यपालन अभियंता संजय वर्मा तथा उद्यान विभाग के प्रभारी सोहन गुप्ता भी इस दौरान उपस्थित थे।

हरिशंकरी का महत्व- हरिशंकरी का अर्थ होता है भगवान विष्णु और शंकर की छायावली होता है। मत्स्य पुराण में भी हरिशंकरी से जुड़ी कथा का उल्लेख है। पुराण के अनुसार पार्वती जी के श्राप से भगवान विष्णु पीपल, भगवान शिव बरगद और ब्रह्मा पलाश वृक्ष बन गए.इसीलिए पीपल, बरगद व पाकड़ के सम्मिलित रोपण को हरिशंकरी कहते हैं. मान्यता के अनुसार पाकड़ को वनस्पति जगत का नायक कहा जाता है. वैदिक अनुष्ठान व हवन आदि में इसकी ख़ास अहमियत होती है.

एक तने के रूप में नजर आते हैं तीन वृक्ष- हरिशंकरी वृक्ष तैयार करना एक अत्यंत पुण्य व परोपकारी काम माना जाता है. हरिशंकरी के तीनों पौधों अर्थात पीपल, बरगद और पाकड़ को एक ही स्थान पर इस तरह रोपते हैं कि तीनों वृक्षों का संयुक्त छत्र विकसित हों. इससे तीनों वृक्षों के तने विकसित होने पर एक तने के रूप में नजर आते हैं. वैसे तो हरिशंकरी पौधे देशभर में लगाए जाते हैं लेकिन उत्तर प्रदेश के बलिया, गाजीपुर, मऊ व आसपास के क्षेत्र में विशेष रूप से किया जाता है. हरिशंकरी की छाया में दिव्य औषधीय गुण व पवित्र आध्यात्मिक प्रवाह होता है. इसके नीचे बैठने वाले को पवित्रता, आरोग्य और ऊर्जा मिलती है.

बच्चों को बताएं हरिशंकरी का महत्व- पर्यावरण संरक्षण व जैव विविधता के नजरिए से पीपल, बरगद व पाकड़ सर्वश्रेष्ठ प्रजातियां मानी जाती हैं. इसे सड़क किनारे, धर्म स्थलों, सामुदायिक भवनों और गौठान आदि के आसपास लगाना चाहिए. अपनी सामाजिक जिम्मेदारी के तहत इसके पौराणिक एवं पर्यावरणीय महत्व के बारे में अधिक से अधिक लोगों को बताना चाहिए. भविष्य में यह विरासत बची रहे इसके लिए हमें बच्चों को खासतौर पर इसकी अहमियत के बारे में जानकारी देनी होगी.

जीव-जंतुओं के लिए भी उपयोगी- हरिशंकरी के तीनों वृक्षों पीपल, बदगद व पाकड़ का अत्यन्त ही महत्व है. हरिशंकरी में तमाम पशु-पक्षियों व जीव-जन्तुओं को आश्रय व खाने को फल मिलते हैं. इस प्रकार हरिशंकरी के रोपण से इन जीव-जन्तुओं का आशीर्वाद मिलता है, इस पुण्यफल की बराबरी कोई भी दान नहीं कर सकता. यह हमेशा हरा भरा रहने वाला वृक्ष है. शीत ऋतु के अंत में थोड़े समय के लिए पतझड़ में रहता है. इसका छत्र काफी विस्तृत और घना होता है. इसकी शाखायें जमीन के समानान्तर काफी नीचे तक आ जाती हैं. इसके नीचे घनी शीतल छाया का आनन्द बहुत ही अच्छी अनुभूति देता है.इसकी शाखाओं या तने पर जटा मूल चिपकी या लटकी रहती है. इसके फल मई-जून तक पकते हैं और वृक्ष पर काफी समय तक बने रहते हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस-2024 पर पर्यावरण के संरक्षण की प्रतिज्ञा ली गई

एनएमडीसी विश्व पर्यावरण दिवस-2024 पर सुस्थिरता के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है

हैदराबाद (विश्व परिवार)। भारत के जिम्मेवार माइनर और सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक, एनएमडीसी ने आज हैदराबाद में अपने प्रधान कार्यालय और संपूर्ण भारत की परियोजनाओं में पर्यावरण पोषण की प्रतिज्ञा लेते हुए विश्व पर्यावरण दिवस 2024 मनाया।

समारोह की शुरुआत औपचारिक दीप प्रज्ज्वलन से हुई। तत्पश्चात श्री अमिताभ मुखर्जी, सीएमडी(अतिरिक्त प्रभार), श्री विनय कुमार, निदेशक (तकनीकी) और श्री बी. विश्वनाथ, सीवीओ एवं वरिष्ठ प्रबंधन के नेतृत्व में कर्मचारियों ने पर्यावरण की संरक्षण की प्रतिज्ञा ली। ' भूमि पुनर्स्थापन, मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने की क्षमता' की थीम के अनुरूप एक विशेष वीडियो जारी किया गया।

कर्मचारियों को संबोधित करते हुए और सुस्थिरता के महत्व पर जोर देते हुए, श्री अमिताभ मुखर्जी ने कहा, पृथ्वी एकमात्र ग्रह है जो जीवन का समर्थन करता है और स्वयं में सुधार करने की क्षमता रखता है, लेकिन सवाल उठता है कि हमें कौन संभालेगा? क्या हम जिम्मेदारी से रह रहे हैं और अपनी भविष्य की पीढ़ी के लिए संसाधनों को संरक्षित कर रहे हैं। हमें व्यक्तिगत स्तर पर अपने कार्बन फुटप्रिंट का ध्यान रखने की आवश्यकता है। हमारे कदम सीधे अंतर-पीढ़ी इक्विटी से

संबंधित हैं, इसलिए बेहतर कल के लिए एक बुद्धिमान और स्थायी विकल्प चुनें।

श्री विनय कुमार ने सतत विकास के लिए जल प्रबंधन, वनों की कटाई, ऊर्जा दक्षता और नवीकरणीय ऊर्जा के महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए कर्मचारियों के साथ चर्चा की। उन्होंने आगे कहा कि हमें संरक्षण पर कार्य करते हुए आने वाली पीढ़ियों को एक स्वस्थ वातावरण प्रदान करना होगा।

इस कार्यक्रम में श्री अमिताभ मुखर्जी द्वारा एनएमडीसी पर्यावरण दिवस 2024 संस्मरणों का भी शुभारंभ किया गया। एनएमडीसी प्रधान कार्यालय में आयोजित पर्यावरण दिवस प्रतियोगिता के विजेताओं को श्री अमिताभ मुखर्जी, श्री विनय कुमार और श्री बी विश्वनाथ ने सम्मानित किया।

इसके अतिरिक्त, एनएमडीसी ने अपने प्रमुख परियोजना स्थलों पर वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया। पर्यावरण संरक्षण में अधिक जागरूकता और भागीदारी को बढ़ाने के लिए छात्रों और कर्मचारियों के लिए पोस्टर-बनाने और निबंध लेखन की प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं।

इन पहलों के माध्यम से, एनएमडीसी ने सुस्थिरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता और एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट नागरिक के रूप में अपनी भूमिका की पुष्टि की। कंपनी पर्यावरणीय प्रबंधन को प्राथमिकता देती है, यह सुनिश्चित करती है कि इसके संचालन भूमंडल और भविष्य की पीढ़ियों के हित में योगदान दें।

संक्षिप्त समाचार

स्वच्छता अभियान के माध्यम से लोगों को किया गया जागरूक

धमतरी (विश्व परिवार)। विश्व पर्यावरण दिवस पर नगर पालिका निगम धमतरी के साथ 10 तालाबों में स्वच्छता कार्यक्रम के अंतर्गत आमातालाब अंबेडकर चौक की सफाई माँ कामाख्या धर्मादा ट्रस्ट भारतवर्ष द्वारा निगम कर्मचारियों एवम् स्वच्छता दीदियों के साथ मिलकर श्रमदान किया गया। इस कार्य में श्रीमती जानकी गुप्ता, श्रीमती सरोज तिवारी, श्रीमती बसंती शर्मा, श्रीमति कविता गुप्ता, श्रीमति सविता गुप्ता श्रीमति सुनैना मिश्रा सहित ट्रस्ट के सहयोगी पदाधिकारी उपस्थित रहे। निगम कमिश्नर श्री विनय कुमार पोयम ने पहुंचकर श्रमदान में सहभागिता की और सभी का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि स्वच्छता हम सभी का नैतिक कर्तव्य है तालाबों में कचरा न फेके, जल संरक्षण में अपनी प्रतिभागिता निभाए, जल को व्यर्थ न गवाएं।

बैंक ऑफ बडौदा द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर, बैंक ऑफ बडौदा ने आर सेटी रायपुर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर श्री भरतकुमार चावड़ा, उप महाप्रबंधक–बीडी एवं प्रभारी छत्तीसगढ़, डॉ. रमेश कुमार मोहंती, उप महाप्रबंधक–सीए, श्री रंजीत कुमार मंडल, उप महाप्रबंधक–ओएसडी, श्री किशलय प्रसाद, क्षेत्रीय प्रमुख रायपुर क्षेत्रएवं अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे। इस अवसर पर उपस्थित बैंक के कार्यपालकों ने पर्यावरण संरक्षण में वृक्षों की उपयोगिता पर अपने विचार रखे तथा उपस्थित सभी जनों से अधिकतम संख्या में वृक्षारोपण कर पर्यावरण की रक्षा करने का आह्वान किया।

वृक्षारोपण कर मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वन विभाग द्वारा पर्यावरण की सुरक्षा एवं उसे संरक्षित करने के उद्देश्य से डीएफओ मयंक अग्रवाल के निर्देश में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत बारनवापारा अभयारण्य के ग्राम बार में परिक्षेत्र के समस्त वनकर्मी, ग्रामीण एवं बच्चों के द्वारा "हमारी भूमि, हमारा भविष्य" की थीम पर भव्य रैली निकालकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया एवं पौधा रोपण किया गया। कोठारी परिक्षेत्र में पुत्रांजीवा, बेल आंवला, करंज तथा नीम के पौधों का रोपण किया गया। बलौदाबाजार परिक्षेत्र अंतर्गत लटुवा नर्सरी में सफाई अभियान चलाया गया तथा सोनबरसा जंगल के तालाब के मेंढ़ों में करंज, आंवला नीम आदि पौधों का रोपण किया गया। इसी परिप्रेक्ष्य में वन विभाग के समस्त वन अमलों एवं ग्राम बकला, बोरसी, भरका एवं टेमरी के ग्रामीणों द्वारा प्राचीन शिव मंदिर के नाम से विख्यात नारायण विहार के नदी तटबंध तथा आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई की मुहिम चलाई गई। सोनाखान परिक्षेत्र अंतर्गत नारायण विहार में फलदार पौधे आम, इमली, अमरूद का रोपण किया गया तथा ग्रामीणों को रोपण किए गए पौधों की देखभाल करने का संकल्प लेकर पर्यावरण की सुरक्षा करने हेतु जागरूक किया गया। इसी प्रकार अर्जुनी परिक्षेत्र अंतर्गत महकोनी एवं गिण्डोला परिसर में वन प्रबंधन समिति, महिला स्व सहायता समूह एवं सुरक्षा श्रमिकों के द्वारा अलग-अलग तरह के पौधे लगाए गए। समिति के सदस्यों द्वारा रोपण किए गए पौधों की सुरक्षा का संकल्प भी लिया गया।

संयुक्त समिति सदस्यों द्वारा रायपुर निगम क्षेत्र में कचरा प्रबंधन एवं निपटान के संबंध में क्रियान्वयन का स्थल निरीक्षण 11 से 14 जून तक प्रस्तावित

नगर निगम में संभागीय संयुक्त संचालक एवं निगम अपर आयुक्त ने बैठक लेकर तैयारियों की जानकारी लेकर दिये आवश्यक निर्देश

रायपुर (विश्व परिवार)। राज्य शहरी विकास अभिकरण छत्तीसगढ के निर्देश पर रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र में कचरा प्रबंधन एवं निपटान के संबंध में भौतिक क्रियान्वयन का संयुक्त समिति के सदस्यों द्वारा स्थल निरीक्षण 2 चरणों में आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। इस अनुक्रम में प्रथम चरण का स्थल निरीक्षण दिनांक 11 से 14 जून 2024 तक प्रस्तावित किया गया है।

प्रथम चरण में नगर पालिक निगम, रायपुर में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम- 2016 अनुसार सेग्रीगेटेड वेस्ट कलेक्शन, जीवीपी, सड़क सफाई, नाली सफाई, सार्वजनिक स्थानों की सफाई तथा उत्पन्न कूड़े के परिवहन तथा प्रसंस्करण एवं लिगेसी वेस्ट प्रसंस्करण कार्य, कंसट्रक्शन एण्ड डिमोलेशन वेस्ट प्रोसेसिंग रूल्स- 2016 अनुसार सीएण्डडी वेस्ट कलेक्शन, ट्रांसपोर्टेशन तथा इसके प्रसंस्करण कार्य, प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स 2016 अंतर्गत प्रावधानों के पालन तथा नगर पालिक निगम, रायपुर क्षेत्र में सीवेज ट्रीटमेंट तथा उपचारित सीवेज के पुर्नउपयोग के संबंध में रायपुर शहर में हो रहे कार्यों का निरीक्षण कर उपरोक्त वर्णित नियमों के परिपेक्ष्य में फील्ड में हो रहे अनुपालन के संबंध में प्रतिवेदन राज्य शहरी विकास अभिकरण छत्तीसगढ़ के निर्देश पर प्रस्तुत किया जायेगा। जोन क्षेत्रांतर्गत उपरोक्त नियमों एवं संबंधित उपविधियों का जोन के समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों के साथ फील्ड स्तर पर शत-प्रतिशत पालन किये जाने हेतु कार्यवाही सुनिश्चित किया जाना है।

आज राज्य शहरी विकास अभिकरण छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार रायपुर संभाग के संयुक्त संचालक श्री पी.बी. काशी ने नगर निगम मुख्यालय महात्मा गांधी सदन के तृतीय तल सभाकक्ष में नगर निगम अपर आयुक्त श्री राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता सहित उपायुक्त डॉ. आर.के. डोंगरे, सभी जोन कमिश्नरों, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तृप्ति पाणिग्रही, स्वच्छ भारत मिषन के कार्यपालन अभियंता श्री रघुमणि प्रधान, कार्यपालन अभियंता अमृत मिशन श्री अंशुल शर्मा, स्वच्छ भारत मिशन के सहायक अभियंता श्री योगेश कडु एवं रामकी कंपनी के प्रोजेक्ट हेड श्री योगेश कुमार की उपस्थिति में बैठक लेकर राज्य शहरी विकास अभिकरण छत्तीसगढ़ के निर्देश पर संयुक्त समिति के सदस्यों द्वारा दिनांक 11 से 14 जून 2024 तक रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र में प्रथम चरण में प्रस्तावित निरीक्षण के संबंध में शासन के निर्देशानुसार आवश्यक जानकारी देते हुए तैयारियों के संबंध में जानकारी लेकर समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिये। रायपुर संभाग संयुक्त संचालक एवं नगर निगम अपर आयुक्त ने जोन कमिश्नरों सहित निगम अधिकारियों को शासन के निर्देशानुसार कार्य एवं तैयारियों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिये।

स्वास्थ्य केंद्रों पर रोपे गए पौधे, देखभाल का लिया संकल्प

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। कलेक्टर के एल चौहान के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले के विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों में वृक्षारोपण कर विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। इसके साथ ही साथ पौधारोपण में सम्मिलित स्टाफ ने पौधे की देखभाल करने का भी संकल्प लिया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एम पी महिस्वर के अनुसार पूरे देश में इस वर्ष गर्मी ने अपने रिकॉर्ड तोड़े हैं इससे पर्यावरण संरक्षण की उपयोगिता एक बार पुन: साबित हुई है। जलवायु परिवर्तन से लगातार औसत तापमान में वृद्धि हो रही है तथा मौसम में भी अनियमितता दिखाई पड़ती है। इससे कई प्रकार की स्वास्थ्यगत बीमारियों का भी जन्म होता है और परेशानी होती है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर आयुष्मान आरोग्य मंदिरों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों सहित अन्य अस्पतालों में खाली भूमि पर पौधा रोपण का कार्यक्रम किया गया। इसमें बरगद, पीपल, नीम, करंज और जामुन प्रमुख पौधे रहे।

एसईसीएल मुख्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया

सीएमडी डॉ. प्रेम सागर मिश्रा ने भावी पीढ़ी के लिए पर्यावरण को संरक्षित करने का किया आह्वान

रायपुर (विश्व परिवार)। दिनांक 05.06.2024 को एसईसीएल मुख्यालय प्रशासनिक भवन प्रांगण में विश्व पर्यावरण दिवस सोल्लासपूर्ण मनाया गया। इस अवसर पर प्रारंभ में मुख्य अतिथि अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक डा. प्रेम सागर मिश्रा ने निदेशक (वित्त) श्री जी. श्रीनिवासन, निदेशक तकनीकी (योजना/परियोजना) श्री फ्रेंकलिन जयकुमार, निदेशक (कार्मिक) श्री बिरंची दास, महाप्रबंधक (पर्यावरण) श्री बी.के. जेना, विभिन्न विभागाध्यक्षों, अधिकारियों-कर्मचारियों की उपस्थिति में पर्यावरण ध्वज फहराया उपरांत कोलइण्डिया कारपोरेट गीत बजाया गया। इस अवसर पर पर्यावरण विषयक पोस्टर एवं पर्यावरण दर्पण पत्रिका का विमोचन मंचस्थ अतिथियों द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रतिज्ञा का पठन अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक ने किया जिसे समस्त उपस्थितों ने दोहराया। इस अवसर पर श्री दिनेश पाण्डे एण्ड ग्रुप द्वारा जंगल, जल, जमीन संरक्षण पर केन्द्रित नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया जिसे समस्त उपस्थितों ने सराहा।

अपने सम्बोधन में मुख्य अतिथि अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक डा. प्रेम सागर मिश्रा ने भावी पीढ़ी के लिए पर्यावरण को संरक्षित करने का किया आह्वान हुए कहा कि वसुन्धरा को एक बेहतर कल के लिए संवरित करने हेतु एसईसीएल पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। हमारा प्रत्येक खनिक दृढ़ मनोबल लेकर प्रकृति को संरक्षित एवं सवंर्धित करने के लिए कृत संकल्पित हैं। यह हमारे उन जीवन मूल्यों के अनुसार ही है जैसा हमारे वेद शास्त्रों में उल्लेखित है . रक्षये प्रकृति पांतुलोका: . हे धरा के वासियों! प्रकृति की रक्षा करो।

निदेशक (वित्त) श्री जी. श्रीनिवासन ने कहा जीवन को शारीरिक एवं मानसिक रूप से सुदृढ़ बनाए रखने के लिए पर्यावरण संरक्षण अत्यावश्यक है, इस दिशा में प्रत्येक व्यक्ति को पुरजोर प्रयास करना चाहिए। हमें अपनी प्रकृति की रक्षा करनी चाहिए।

निदेशक तकनीकी (योजना/परियोजना) श्री फ्रेंकलिन जयकुमार ने कहा देश की मांग अनुसार हम कोयला उत्पादन करते हैं, साथ ही हमारी जिम्मेदारी यह भी है कि हम प्रकृति का सन्तुलन बनाए रखने के लिए पौधों का रोपण व उनका संवर्धन करें।

निदेशक (कार्मिक) श्री बिरंची दास ने कहा देश की ऊर्जा आपूर्ति के लिए कोयला उत्खनन के साथ-साथ हमारी कम्पनी एसईसीएल द्वारा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी कार्य किया किया जाता है। उन्होंने कहा पृथ्वी के धरोहर को ग्रीन कव्हर करना आवश्यक है जिससे आने वाली पीढ़ी को स्वस्थ्य पर्यावरण दे सकें। उन्होंने आव्हान करते हुए कहा कि प्रति व्यक्ति को प्रति वर्ष अपने आसपास कुछ पौधरोपण कर उनका संरक्षण करें। कार्यक्रम के अंत में इस दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं निबंध प्रतियोगिता, वाक् प्रतियोगिता, क्विज प्रतियोगिता, तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि के करकमलों से पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम की अगली कड़ी में मुख्य अतिथि अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक डा. प्रेम सागर मिश्रा ने निदेशक (वित्त) श्री जी. श्रीनिवासन, निदेशक तकनीकी (योजना/परियोजना) श्री फ्रेंकलिन जयकुमार, निदेशक (कार्मिक) श्री बिरंची दास, श्रद्धा महिला मण्डल अध्यक्षा श्रीमती पूनम मिश्रा, उपाध्यक्षा श्रीमती राजी श्रीनिवासन, श्रीमती बी. अनिता, महाप्रबंधक (पर्यावरण) श्री बी.के. जेना, विभिन्न विभागाध्यक्षों, अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा औषधीय, फलदार पौधों व विविध पौधों का रोपण प्रशासनिक भवन स्थित प्रांगण में किया गया।

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 138 दिनांक 05.06.2024
वार्ड का नाम- शहीद कौशल यादव वार्ड
वार्ड क्र. 6 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 6 मांग **पंजी क्र. 263 युआईडी 12550** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **सुरेन्द्र यादव/ सेवकराम** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **संदीप सिन्हा/ राम विलाश सिन्हा** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **05-07-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 139 दिनांक 05.06.2024
वार्ड का नाम- शहीद कौशल यादव वार्ड
वार्ड क्र. 6 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 6 मांग **पंजी क्र. 35 युआईडी 12322** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **बिशेसर देवांगन/ जेठूराम** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **युवराज देवांगन/ बिसेसर** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **05-07-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 140 दिनांक 05.06.2024
वार्ड का नाम- शहीद कौशल यादव वार्ड
वार्ड क्र. 6 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 6 मांग **पंजी क्र. 328 युआईडी 12617** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **गौरी देवांगन/ बिसेसर** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **युवराज देवांगन/ बिसेसर** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **05-07-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 141 दिनांक 05.06.2024
वार्ड का नाम- शहीद चन्द्रशेखर आजाद वार्ड
वार्ड क्र. 31 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 31 मांग **पंजी क्र. 386 युआईडी 35496** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **लक्ष्मी नारायण देवांगन/ स्व. बाबूलाल देवांगन** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **रमेश कुमार देवांगन/ भागवत देवांगन** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **05-07-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर
email Id- eocghbzone1@gmail.com

आम-सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा **टाटीबंध,** रायपुर में निर्मित स्ववित्तीय योजना के अंतर्गत, भवनों में से **भवन क्रमांक सी.एच.-394 स्लाईस-1** में (1) **श्री बलजिदर सिंग पिता श्री स्वरूप सिंग,** को स्ववित्तीय/ एकमुश्त आधार पर आबंटित/ नामांतरित किया गया है। आबंटी द्वारा दिनांक **15.02.2007** को विक्रय विलेख निष्पादित कर लिया गया।

आबंटी के द्वारा उक्त भवन के विक्रय हेतु दिनांक **01.04.2024** को निष्पादित विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति प्रस्तुत कर फ्लैट/ भवन **श्री गुरूदीप सिंग पिता श्री सुरिदर सिंग** के नाम से विक्रय करने के लिए **विक्रय अनुमति की मांग** की है।

अत: किसी भी व्यक्ति शासकीय/ अर्द्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के **विक्रय के संबंध में** किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आमसूचना प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, मौलश्री विहार, रायपुर (छ.ग.) फोन नं.-0771-2991574
Email Id: eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा सामान्य आवास योजनांतर्गत **बोरियाकला,** रायपुर में **निर्मित भवन क्रमांक- पीपल-I/173, श्री रोशन लाल ओचवानी पिता श्री अर्जुनदास ओचवानी,** निवासी- ई-201, सृष्टि प्लाजो, अवंति विहार, रायपुर (छ.ग.) के नाम पर आवासीय भू-खण्ड/भवन 30 वर्ष के लीज में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा नामांतरित है, उक्त भू-खण्ड/भवन को फ्री-होल्ड के लिए निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जिनका **फ्री-होल्ड** संपरिवर्तन किया जाना है।

अत: किसी भी व्यक्ति, शासकीय/ अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था, को भूखण्ड/भवन का **फ्री-होल्ड** किये जाने में किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के **15 दिवस** के अन्दर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समयावधि पश्चात् आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, मौल श्री विहार, रायपुर छ.ग.

कार्यालय नगर पालिका परिषद कुम्हारी, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

।। दावा आपत्ति सूचना ।।

क्रं. / 467 / राज.वि. / नामां. / 2024
कुम्हारी, दिनांक 05/06/2024

नगर पालिका परिषद कुम्हारी में अपने स्वयं के भवन/भूमियों को क्रय-विक्रय किया जाकर नगर पालिका अभिलेख में नाम परिवर्तन करने हेतु निम्नानुसार आवेदन प्राप्त हुआ है। उक्त प्रकरणों पर नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 150 के तहत् नामांतरण किये जाने पर यदि किसी भी व्यक्ति / संस्था / समुदाय को आपत्ति हो तो इस सूचना के समाचार पत्र में प्रकाशन होने की तिथि से 30 दिन के अन्दर लिखित में नगर पालिका कार्यालय में अपना दावा / आपत्ति आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। भवन/भूमि नामांतरण संबंधी विवरण निम्नानुसार है :-

हस्तांतरणकर्ता का नाम व पता- श्रीमती प्रेमलता गिरेपुंजे, पति श्री बसंत गिरेपुंजे, वार्ड क्रं.-19, कुम्हारी, जिला-दुर्ग (छ.ग.)।

हस्तांतरिती का नाम व पता- श्री पंकज शर्मा पिता श्री बलवंत शर्मा, वार्ड क्रं.-19, कुम्हारी, जिला-दुर्ग (छ.ग.)।

भवन/भूमि का विवरण- खसरा क्रं.-23/11, रकबा 92.40 वर्ग मीटर, मौलश्री जुनियर एम.आई.जी. 08, खारून ग्रीन कॉलोनी, वार्ड क्रं.-19,कुम्हारी, जिला-दुर्ग (छ.ग.)।

नामांतरण का आधार- विक्रय अभिलेख के आधार पर।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद कुम्हारी

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./11519/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2024
रायपुर, दिनांक 22-05-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11519
वार्ड का नाम- 55 - रविन्द्रनाथ टैगोर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **55** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR651D006639** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SANDYA BAGARE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ASHWANI KUMAR BAGARE** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **HUMA TARANNUM** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MOHAMMED ABRAR KADRI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

श्री दिनेश कोसरिया
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./11772/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2024
रायपुर, दिनांक 05-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11772
वार्ड का नाम- 55 - रविन्द्रनाथ टैगोर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **55** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR651E00547** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **NARESH KUMAR SANCHETI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **PANCHULAL SANCHETI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्रीमती अंकिता जैन** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पति श्री प्रियांशु जैन** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

श्री दिनेश कोसरिया
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./8162/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 09-01-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 8162
वार्ड का नाम- 18 - बालगंगाधर तिलक वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 18 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR110D00349** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SARALA DEVI, NIHAL CHANDANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. HARISH CHANDANI, NIHAL CHANDANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **VINOD KUMAR KUNDU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. SHRI BASANT KUMAR KUNDU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

नेतराम चंद्राकर
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./11758/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 05-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11758
वार्ड का नाम- 4 - यतियतन लाल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **4** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR104H0368A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MANOJ KUMAR AGRAWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **HANUMAN PRASAD AGRAWAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SANGEETA SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **VINAY SHARMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./11367/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 05-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11367
वार्ड का नाम- 4 - यतियतन लाल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **4** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR104J00681** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RAVIRAJ SINGH** पिता/पति, श्री/श्रीमती **BALRAJ SINGH** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **RAJUSH LATA SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **VIJENDRA SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./11366/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 05-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11366
वार्ड का नाम- 4 - यतियतन लाल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **4** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR104J0068G** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **BALRAJ SINGH** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DHARAM SINGH** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **JITENDRA KUMAR VERMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE RAJKISHORE VERMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर, गुरूवार 06 जून 2024

रामपुर मार्ग के माली हालत को लेकर ट्रेलर मालिक संघ ने कलेक्टर को सौपा ज्ञापन

बरौद जामपाली मार्ग की धीमे कार्य को लेकर भी यूनियन ने घरघोडा एसडीएम से की चर्चा

रायगढ़(संवाददाता)। रायगढ़ जिले में उधोगो के विस्तार के साथ बढ़ते गाड़ियों के दबाव के कारण जहां सड़को की हालत बद से बदतर होती जा रही है,वही शहर से लगे रामपुर मार्ग की हालत एकदम बदतर हो गई है, जिस पर ध्यान आकर्षित कराने एवम सड़क की मरम्मत कराने की मांग को लेकर रायगढ़ जिला ट्रेलर मालिक संघ ने कलेक्टर को ज्ञापन सौप सड़क सुधारने की मांग की है।

कलेक्टर के नाम सौपे ज्ञापन में यूनियन के पदाधिकारियों और गाड़ी मालिको ने अपर कलेक्टर ऋचा ठाकुर से अनुरोध करते हुए कहा कि महोदया रामपुर से इंदिरा विहार को निकलने वाली सड़क की स्थिति एकदम दयनीय है,उक्त सड़क पर रोज सैकड़ो गाड़िया चलती है,जहां 2 बरसात होते ही सड़क बड़े बड़े नालों में तब्दील हो जाती है, जिसके कारण गाड़ी मालिको का नुकसान तो होता ही है साथ ही सड़क जाम,स्कूल आवागमन बंद,सड़क दुर्घटना सहित अन्य परेशानियां भी उत्पन्न होती है। यूनियन के सदस्यों ने यह भी

बताया कि उक्त सड़क में पचधारी के पास केलो में एक पुल बना है जो बीच से जर्जर होकर गड्ढा हो गया है,जिसके कारण कभी भी जानमाल की बड़ी हानि हो सकती है,अतः उक्त सड़क का जल्द निर्माण कराने की महती कृपा करें।

बरौद जामपाली मार्ग के लिए घरघोड़ा एसडीएम से की चर्चा

वही दूसरी ओर एसडीएम घरघोड़ा के साथ घरघोड़ा से जामपाली बरोद जाने वाली रोड को लेकर भी यूनियन ने बैठक की तो एस डी एम ने यूनियन को कि बताया वर्तमान में जो ठेकेदार काम कर रहा था वह काम छोड़ दिया है फिलहाल अभी पीडब्ल्यूडी के माध्यम से कराया जा रहा है जिसकी निगरानी नायब तहसीलदार की मॉनिटरिंग में करवाया जा रहा है आने वाली बरसात को ध्यान में रखते हुए कल रायगढ़ जिला टेलर मलिक कल्याण संघ के अध्यक्ष दयानंद पटनायक और घरघोडा के अध्यक्ष सुरेश तायल वरिष्ठ सदस्य गोपाल पांडे, रवि सागर और घरघोड़ा इकाई के और भी साथी शामिल हुए। दयानन्द पटनायक ने बताया की एसडीएम साहब ने आश्वासन दिया है की काम को स्पीड से करवाने के लिए। वही जिला टेलर यूनियन ने एसडीएम साहब से कार्य में प्रगति लाने के लिए निवेदन किया है जिससे की गाड़ियां सुचारू रूप से चल सके और आने जाने वाले आम नागरिकों को भी किसी प्रकार के यातायात में व्याधान उत्पन्न ना हो।

सड़क पार करते दिखा गजराजों का बड़ा दल

सड़क के दोनों ओर वाहनों के पहिये थमे, गांव-गांव में कराई जा रही मुनादी

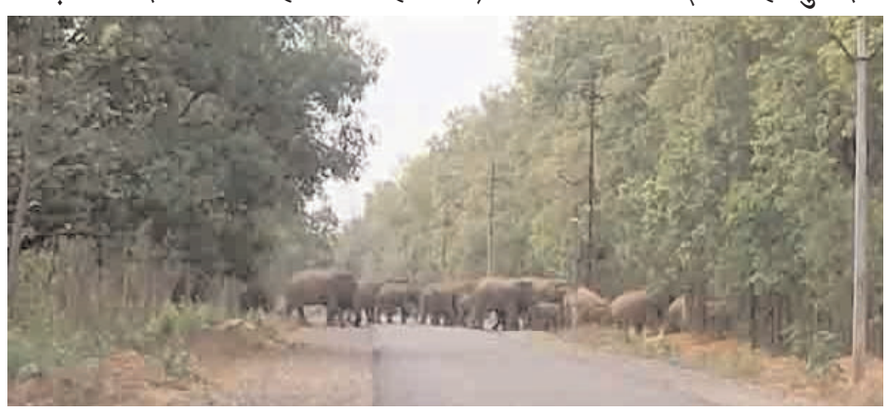

रायगढ़(संवाददाता)। जिले में सोमवार की शाम धरमजयगढ़ क्षेत्र में सड़क पार करते हुए जंगली हाथियों के एक दल का वीडियो सामने आया है। इस दौरान सड़क के दोनों ओर भारी वाहनों की लंबी कतार लग गई। हाथियों की बड़ी संख्या को देखते हुए गांव गांव में मुनादी कराकर लोगो को सावधान रहने के लिए कहा गया है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार रायगढ़ जिले में एक लंबे अरसे से जंगली हाथियों की मौजूदगी रहती है। हाथियों के द्वारा लगातार फसल नुकसान की घटनाएं भी सामने आते रही है। रायगढ़ जिले के रायगढ़ एवं धरमजयगढ़ वन मंडलों में इस दिनों 140 से अधिक हाथी अलग-अलग दल में विचरण कर रहे हैं। बड़ी संख्या में हाथियों की मौजूदगी को देखते हुए वन विभाग के द्वारा लगातार हाथी प्रभावित ग्रामीण इलाकों तक पहुंच कर मुनादी कराते हुए गांव के ग्रामीणों को किसी भी काम के सिलसिले में जगलो की तरफनही जाने की सलाह दी जा रही है। ताकि किसी प्रकार की जनहानि की घटना घटित न हो। सोमवार की शाम धरमजयगढ़ के रायगढ़ मुख्य मार्ग में क्रोधा चौक के आगे से हाथियों का एक दल सड़क पार करते हुए देखा गया, इस दौरान सड़क के दोनों वाहनों की लंबी कतार लग गई, इस बीच लोगो ने हाथियों के दल का वीडियो भी बनाया है जो अब सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। वन विभाग के अनुसार हाथियों का यह दल दर्रीडीही, खलबोरा, या आमापाली, की ओर आगे बढ़ सकते हैं, इस लिहाज से इस क्षेत्र के ग्रामीणों को सावधानी बरतने को कहा गया है।

डीजल के अवैध भंडारण व विक्रय पर पुलिस ने की कार्रवाई, खुरूसलेंगा में 200 लीटर डीजल की जप्ती

- **आरोपी पर आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत पुलिस ने की कार्रवाई**

रायगढ़(संवाददाता)। पुलिस अधीक्षक दिव्यांग कुमार पटेल द्वारा सभी थाना चौकी प्रभारियों को ज्वलनशील पदार्थ पेट्रोल डीजल का खतरनाक तरीके से संग्रहण कर अवैध बिक्री पर निगाह रखकर कार्रवाई के निर्देश दिए गये हैं। निर्देशों के तारतम्य में कल शाम थाना प्रभारी तमनार निरीक्षक आर्शीवाद राहटगांवकर के नेतृत्व में मुखबीर सूचना पर तमनार पुलिस की टीम द्वारा ग्राम खुरूसलेंगा में पंचम राठिया के घर कार्रवाई के लिए दबिश दिया गया। पुलिस को सूचना मिली थी कि पंचम राठिया अपने घर में अवैध रूप से ज्वलनशील पदार्थ डीजल का भण्डारण कर बिक्री करता है। सूचना

पर पुलिस टीम द्वारा गवाहों के साथ पंचम राठिया के घर चेक किया गया। जिसमें घर की परछी में कई प्रकार के प्लास्टिक ब्लाडर, जरीकेन एवं पानी बाटल में करीबन 200 लीटर अवैध ज्वलनशील पदार्थ डीजल को भण्डारण कर रखना पाया गया। पुलिस ने डीजल बिक्री के संबंध में पंचम राठिया को कागजात पेश करने नोटिस देकर आरोपी पंचम राठिया पिता त्रिनाथ राठिया उम्र 39 वर्ष सा. खुरूसलेंगा थाना तमनार से 200 लीटर डीजल (कीमती 18,400 रूपये) एवं 01 सफेद भूरा रंग का चाडी की जप्त कर आरोपी पर थाना तमनार में धारा 3, 7 आवश्यक वस्तु अधिनियम तथा 285 आईपीसी के तहत कार्रवाई किया गया है।

संतान न होनें पर पति ने किया प्रताडित, बीवी ने दी जान, पति गिरफ्तार व जेल दाखिल

रायगढ़(संवाददाता)। 01 जून को थाना कापू में ग्राम पखनाकोट ढूढबहार में रहने वाले परमेश्वर मिंज (उम्र 75 वर्ष) आकर उसकी बेटी हीरो मिंज पति बैसाखू लकडा उम्र 45 वर्ष साकिन चितामाडा थाना कापू के आकस्मिक मौत पर मर्ग इंटिमेशन रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि हिरो मिंज और बैसाखु लकडा ग्राम चितामाडा के साथ करीब प्रेम संबंध था, दोनों पति पत्नी के रूप में रह रहे थे, दोनों का संतान नहीं है। 01 जून को सुबह बेटी और दामाद बैसाखू ग्राम पखनाकोट ढुढबहार आये थे। दोनों घर में खाना-पीना किये और हीरो मिंज का संतान नहीं होने की बात को लेकर आपस में लडाई-झगडा हुये। हीरो मिंज घर से शौंच के लिए अकेली गई और थोड़ी देर बाद आकर घर के आंगन में खाट में सो

हीरो मिंज को आरोपित बैसाखू लकडा द्वारा संतान नहीं होने से प्रताड़ित करने पर हीरो मिंज द्वारा कीटनाशक पी कर आत्महत्या कर ली। थाना कापू में मर्ग जांच पर आरोपित बैसाखू लकडा पिता सालिक राम लकड़ा 50 साल निवासी ग्राम चितामाडा थाना कापू के विरूद्ध धारा 306 आईपीसी का अपराध पंजीबद्ध कर कल आरोपी को गिरफ्तार कर रिमांड पर भेजा गया है।

खेत मे मिली युवक की लाश, तमनार थाना क्षेत्र की घटना, पुलिस जांच में जुटी

रायगढ़(संवाददाता)। तमनार थाना क्षेत्र अंतर्गत टाँगरघाट और औराजोर के बीच एक व्यक्ति की मिली लाश है। परिजनों की सूचना पर तमनार पुलिस ने मर्ग कायम कर आगे की जांच में जुट गई है।

मिली जानकारी के अनुसार, मृतक लोचन किसान पिता सुनाऊ किसान उम्र 35 वर्ष (औराजोर) केशरचुआं का रहने वाला था। जो बीते 1 जून को घर से निकला था,जो रात तक घर नहीं पहुंचा। और अगले दिन 2 जून की सुबह उसकी लाश खेत के किनारे मिली। ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार, मृतक शराबी किस्म का था।

जो अपने बीबी बच्चे से लड़ाई कर अकेले रहता था। बच्चे और उसकी पत्नी मायके में रहती थी। फिलहाल अभी मौत का कारण पता नही चल पाया हैं, लेकिन अंदेशा जताया जा रहा है कि युवक की मौत शराब के नशे में शरीर मे पानी की कमी या भीषण गर्मी के कारण हुई होगी।

मारवाड़ी युवा मंच शक्ति शाखा की नवीन कार्यकारिणी की हुई घोषणा

सक्ती(संवाददाता)। अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच एवं छत्तीसगढ़ प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच के सांगठनिक दिशा- निर्देश पर मारवाड़ी युवा मंच की शक्ति शाखा की नवीन कार्यकारिणी के गठन की घोषणा नव नियुक्त अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल (साइ कंप्यूटर) ने 3 जून को की है,नवगठित कार्यकारिणी में अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल साइ कंप्यूटर, संरक्षकगण- हरिओम अग्रवाल, संजय रामचंद्र, कन्हैया गोयल, महेंद्र जिंदल एवं प्रकाश चंद्र अग्रवाल (ट्राली) बनाये गए हैं,तो वहीं कार्यक्रम संयोजक मनीष कथूरिया, प्रमुख सलाहकार- अनिल अग्रवाल (सराफ), अनुराग अग्रवाल (भुरू), मानस अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष गण- राजकुमार अग्रवाल (राजू), रवि अग्रवाल (अशोका), उपाध्यक्ष गण- शैलेश अग्रवाल (बीएल लाख वाले), रितेश अग्रवाल (डीएम), सुमित शर्मा,सचिवट्ट विशाल शर्मा, सह सचिवट्टआलोक अग्रवाल (जिमी),मयंक अग्रवाल, कोषाध्यक्ष- राकेश अग्रवाल (शांति पैलेस), रक्तदान संयोजक- राजीव अग्रवाल (आर के), ऑक्सीजन सिलेंडर प्रभारी- कैलाश चंद्र अग्रवाल, स्वास्थ्य कार्यक्रम प्रभारी- गजेंद्र डालमिया (गज्जू), कार्यकारिणी सदस्य गण- सुधीर सराफ अभिषेक अग्रवाल (अनुराग), प्रकाश अग्रवाल (दुल्हन साड़ी), सुमित अग्रवाल (शारदा प्लाई), अमन गर्ग, एवं सौरभ अग्रवाल बनाए गए हैं, अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल ने बताया कि नवीन कार्यकारिणी की घोषणा के साथ ही यथा शीघ्र कार्यकारिणी की बैठक होगी।

तथा मारवाड़ी युवा मंच के द्वारा शक्ति शहर में सेवा तथा रचनात्मक कार्यों को गति दी जाएगी वही नवीन कार्यकारिणी के गठन पर नवनियुक्त पदाधिकारी- सदस्यों को मंच सदस्यों ने बधाई दी है।

गोविंद देवांगन पहुंचे नवधा रामायण में सार्वजनिक अखंड नवधा रामायण का हुआ समापन

सक्ती(संवाददाता)। नगर के हृदय स्थल नवधा चौक में अखंड नवधा रामायण का भव्य आयोजन 25 मई से 03 जून तक महावीर कीर्तन मंडली द्वारा आयोजित क़ी गयी। जिसके अंतिम दिन में उत्कृष्ट भक्ति गायन के लिए मंडली को पुरस्कृत किया गया,जिसमें वार्ड नंबर 12 की पार्षद विजया लखन देवांगन के द्वारा द्वितीय पुरस्कार 9100/- कि राशि के साथ गायन मंडल के सभी सदस्य को बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई, जिसमें समाज के प्रमुख जन उपस्थित रहे, इस अवसर पर पार्षद पुत्र एवं भाजपा नगर मंडल शक्ति के महामंत्री गोविंद देवांगन द्वारा आयोजन समिति को सार्वजनिक अखंड नवधा रामायण (66 वा वर्ष) के सफल आयोजन के लिए बधाई दी गई!! साथ ही उक्त आयोजन में लगे हुए सभी युवाओं महिलाओं, बच्चों एवं मोहल्ले वासियों को बधाई दी गई! गोविंद देवांगन द्वारा भगवान राम के चरित्र का बखान करते हुए कहा कि हमें अपने चरित्र को राममयी बनाने का प्रयास करें!! गोविंद देवांगन का धार्मिक अनुष्ठानों में विशेष रुचि के चलते धार्मिक आयोजन में हमेशा सहयोग कर नगर के युवाओं को प्रेरित करते हैं, गोविंद देवांगन ने कहा की शक्ति की अखंड नवधा रामायण विगत 65 वर्षों से निरंतर आयोजित की जा रही है, तथा अविभाजित मध्य प्रदेश के समय से यहां की नवधा रामायण में बड़े शहरों से जहां मानस मंडलीया आती हैं, तो वहीं शहर सहित क्षेत्र वासियों का भी लगव इस नवधा रामायण में बना हुआ है।

जिले में पुलिस के प्रयासों से आगामी दिनों में सड़क दुर्घटनाओं में दिखेगी कमी

सक्ती(संवाददाता)। जिले की आईपीएस पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के दिशा- निर्देशन में जिले के यातायात विभाग को मजबूती के साथ पूरे जिले की यातायात व्यवस्था को सुधारने की जिम्मेदारी दी गई है, इसी तारतम में शक्ति जिले के ट्रैफिक इंचार्ज कमल महतो भी अपने उच्च अधिकारियों के निर्देशन में नियमित रूप से जिले की मॉनीटरिंग कर जहां सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने की दिशा में प्रयास कर रहे हैं, तो वहीं शक्ति जिले से होकर गुजरे राष्ट्रीय राजमार्ग के प्रमुख दुर्घटना जनित क्षेत्र का भी राष्ट्रीय राजमार्ग के विभाग के अधिकारियों के साथ निरीक्षण कारगर उपाय किए जा रहे हैं, पुलिस महानिरीक्षक बिलासपुर, रेंज बिलासपुर संजीव शुक्ला एवं पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा द्वारा समस्त थाना चौकी प्रभारी एवं यातायात प्रभारी को सडक दुर्घटना की रोकथाम एवं दुर्घटनाजन्य क्षेत्रो का निरीक्षण विभिन्न विभाग से समन्वय कर दुर्घटना के कारणो का पता लगाकर उनके निराकरण करने आदेशित किया गया है,आज दिनांक

03.06.24 को यातायात शाखा सक्ती एवं एन एच के अधीकारी कर्मचारी के साथ / मार्ग निर्माण में लगे ठेकेदार के प्रोजेक्ट मनैजर के साथ संयुक्त निरीक्षण राष्ट्रीय राज मार्ग 49 में दुर्घटनाजन्य क्षेत्र मसनिया कला चौक, कंचनपुर चौक, सब्जी मंडी चौक डोगिया, जेठा फाटकै, ओव्हर ब्रिज सकरेली, जैजैपुर चौक बाराद्वार चौक, मुक्ता राजा एवं अन्य राजकीय मार्ग जो राष्ट्रीय राज मार्ग से जुड रहे स्थान में हो रहे दुर्घटना का बारिकी से निरीक्षण कर उनके उपाय चिहाकिंत, इम्फोमेशन बोर्ड, लाइटिंग आवश्यकतानुसार ब्रेकर ब्रिंकल कैट आई, रेडियम, सडक में टूट फूट को ठीक करने आदि पर चर्चा कर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है,जिले की यातायात व्यवस्था को सुधारने एवं दुर्घटनाओं में कमी लाने की दिशा में शक्ति जिले के सभी थाना क्षेत्र के थाना प्रभारी भी अपनी पूरी टीम के साथ इस कार्य में सहयोग प्रदान कर रहे हैं, एवं प्रत्येक थाना क्षेत्र में जहां प्रमुख मार्गों का सर्वप्रथम निरीक्षण कर वाहन दुर्घटनाओं को रोकने के लिए आम नागरिकों से सुझाव प्राप्त कर पुलिस पहल करेगी तो वही शक्ति जिले में पहली बार पुलिस प्रशासन द्वारा देखा जा रहा है कि पुलिस अपराधियों को पकड़ने के साथ-साथ आम जनता को बेहतर सुविधाएं देने की दिशा में भी दृढ़ संकल्पित होकर काम कर रही है, जिससे जिले वासियो में भी उत्साह है।

12 बीयर बोतल व अंगेजी शराब जब्त

बाईक पर अवैध शराब परिवहन करते दो पकड़ाये

रायगढ़(संवाददाता)। पुलिस अधीक्षक दिव्यांग कुमार पटेल के दिशा निर्देशन पर शराब की अवैध बिक्री पर अंकुश लगाने पुलिस की लगातार कार्रवाई जारी है। इसी कड़ी में कल शाम थाना चक्रधरनगर की पेट्रोलिंग पार्टी द्वारा पेट्रोलिंग दौरान मुखबीर सूचना पर मोटर सायकल हीरो एक्सट्रीम पर अवैध बिक्री के लिए अंग्रेजी शराब बीयर ले जाते हुए जमुनाइंन चौक के पास पकड़ा है।

कल शाम थाना प्रभारी चक्रधरनगर निरीक्षक प्रशांत राव को मुखबीर से सूचना मिली कि एक मोटर सायकल में दो व्यक्ति शराब रखकर अवैध रूप से बिक्री के लिए केलो पुल की तरफलेकर जा रहे हैं। सूचना पर थाना प्रभारी द्वारा प्रधान आरक्षक हेम प्रकाश सोन के हमराह स्टाफ कार्रवाई के लिए रवाना किया गया। पुलिस पेट्रोलिंग द्वारा जमुनाईन चौक पर नाकेबंदी कर एक मोटर सायकल हीरो

एक्सट्रीम में दो व्यक्तियों को कार्टून में शराब लेकर जाते पकड़े। पूछताछ पर बाइक चला रहे युवक ने अपना नाम- नीरज कुमार साहा पिता विनोद प्रसाद साहा उम्र 25 वर्ष साकिन रियापारा थाना कोतवाली रायगढ तथा पीछे बैठा युवक अपना नाम- कृष्णा बूढ़ा पिता सुरेद्र बुढा उम्र 23 वर्ष साकिन स्काईलांज हाटल जूटमिल थाना जूटमिल का रहने वाला बताया जिनके पास रखे कार्टून में 12 नग बडवाईजर कंपनी का बीयर और 01 सिग्नेचर कंपनी का अंग्रेजी शराब की बॉटल मिली। आरोपियों द्वारा अवैध बिक्री के लिए शराब ले जाना पाये जाने पर अवैध शराब जुमला शराब 8.50 लीटर कुल किमती 4,080 एवं मोटर सायकल सीजी 17 ए.एल. 0646 की जप्ती कर आरोपियों के विरूद्ध थाना चक्रधरनगर में धारा 34(2), 59(क) आबकारी एक्ट की कार्रवाई की गई है।

बिजली समस्या को लेकर कांग्रेस ने फूंका विधायक व बिजली विभाग का पुतला

स्टेशन चौक में पुतला दहन कर आंदोलन की दी चेतावनी

रायगढ़(संवाददाता)। बीते दिनों आंधी तूफान और प्री मानसून की झमाझम बारिश के बाद से लगातार शहर, एवं ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में हो रहे बिजली समस्या को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में बेहद आक्रोश है। इसी क्रम में सोमवार की शाम कांग्रेस की ओर से स्थानीय विधायक व बिजली विभाग का पुतला फूंका गया। बताया जाता है कि लगातार अघोषित विद्युत कटौती और आंधी तूफान के कारण ही रहे विद्युत अवरोध पर रोष जताते हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने स्टेशन चौक रायगढ में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अनिल शुक्ला व युवक कांग्रेस प्रदेश महासचिव राकेश पांडेय के नेतृत्व में स्थानीय मंत्री ओ पी चौधरी व बिजली विभाग का पुतला दहन किया। विरोध में नारे लगाए व 2 दिन में विद्युत व्यवस्था दुरुस्त करने की चेतावनी दी। कार्यक्रम में सैकड़ों कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर गुरूवार 06 जून 2024

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

फार्मा सेक्टर से बढ़ते निर्यात का परिदृश्य

पाक की गलती माना

पाकिस्तान के लाहौर समझौते के उल्लंघन को लेकर पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की टिप्पणी के गहरे मायने हैं। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेई व उनके दरम्यान 1999 में हुए समझौते के उल्लंघन को उन्होंने पाक की गलती माना। जो जनरल परवेज मुशर्रफ द्वारा कारगिल पर किए गए हमले से जोड़ कर देखा जा रहा है। उस पर भारत ने दो दिन बाद कहा कि पड़ोसी देश का निष्पक्ष दृष्टिकोण उभर रहा है। दोनों देशों के बीच शांति व स्थिरता के दृष्टिकोण पर बात करने वाला यह समझौता सफलता का संकेत माना गया था। शरीफ ने पाकिस्तान के 28 मई 1998 में पांच परमाणु परीक्षणों की बात भी की। पाकिस्तान की आंतरिक स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। राजनैतिक अस्थिरता, भारत के प्रति उसका नकारात्मक नजरिया तथा आतंकवाद को प्रश्रय देने वाली उसकी नीतियों ने दुनिया के समक्ष दयनीय साबित किया है। विश्व बैंक कह रहा है कि पाक की आर्थिक स्थिति लगातार बिगड़ रही है। 2011 में पाक पर 66बिलियन डॉलर का कर्ज था। जो 2023 में 124 बिलियन डॉलर पर पंहुच गया। नगदी संकट और उच्च महंगाई दर से जूझ रही जनता गरीबी रेखा से नीचे जा रही है। भारत के साथ सीमा विवाद, कश्मीर के बड़े हिस्से पर कब्जा व जल विवाद तो हैं ही, इनके साथ आतंकवाद सबसे बड़ा मुद्दा है। भारत के खिलाफ किये युद्धों में जबरदस्त मात खाने के बावजूद वह अपनी हरकतों से बाज नहीं आया। हालांकि पाकिस्तानी हुक्मरान जानते हैं कि भारत के साथ दोस्ताना रवैया उन्हें फायदा देने वाला ही साबित होगा। मगर छिछली राजनीति और जनता को खोखली बयानबाजियों से फुसलाने से वे बाज नहीं आ रहे। भारत के खिलाफ जहर उगलने तथा आतंकवाद की आड़ लेकर दुश्मनी कायम रखने के फिलसफे से निकलने को राजी नहीं हैं। पच्चीस साल बाद गलती को स्वीकार कर नवाज अपनी राजनीति को नयी दिशा देने को तैयार होते नजर आ रहे हैं। तीन बार प्रधानमंत्री रह चुके नवाज अपने खिलाफ चल रहे अदालती मामलों की गिरफ्तारी से बचने के लिए ब्रिटेन भाग गये थे। सत्ता परिवर्तन के बाद बीते अक्टूबर में वापिस लौटे हैं। उनके तब्दील होते विचारों से संकेत मिल रहे हैं कि पाक की राजनीति जल्द ही करवट ले सकती है।

डा. जयंतीलाल भंडारी

यह बात ध्यान रखी जानी होगी कि मजबूत बुनियादी सिद्धांतों के बावजूद, भारतीय फार्मा-मेडटेक क्षेत्र सक्रिय फार्मास्युटिकल सामग्री (एपीआई) और प्रमुख प्रारंभिक सामग्री (केएसएम) पर उच्च स्तर की आयात निर्भरता, उच्च स्तरीय स्कैनिंग और इमेजिंग उपकरणों में कम तकनीकी क्षमताओं जैसी चुनौतियों से ग्रस्त है निश्चित रूप से भारत के फॉर्मा सेक्टर का बढ़ता निर्यात भारत का एक महत्वपूर्ण आर्थिक पक्ष है। देश से दवाओं का निर्यात 2023-24 में सालाना आधार पर 9.67 फीसदी बढक़र 27.9 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। जबकि देश के विभिन्न उत्पादों के कुल निर्यात में तीन प्रतिशत की गिरावट रही है। वित्त वर्ष 2023-24 में अकेले अमेरिका को भारत से 7.83 अरब डॉलर की दवा का निर्यात किया गया है। वर्ष 2022-23 के दौरान निर्यात का यह आंकड़ा 25.4 अरब डॉलर रहा था। यह कोई छोटी बात नहीं है कि कोरोनाकाल में फॉर्मा और मेडिकल सेक्टर की कई वस्तुओं का भारत बड़ा उत्पादक और निर्यातक देश बन गया है। भारत दुनिया में पीपीई किट, सर्जिकल मास्क और मेडिकल गॉगल्स का बड़े पैमाने पर निर्यात कर रहा है। अब उन देशों में भी भारत की सस्ती दवाइयों की मांग बढ़ रही है जिन्हें भारत की सस्ती दवा पर बहुत भरोसा नहीं था। भारत से फार्मास्युटिकल निर्यात दुनिया भर के कोई 200 देशों तक पहुंचता है, जिसमें संयुक्त राज्य अमेरिका, पश्चिम यूरोप, जापान और ऑस्ट्रेलिया के अत्यधिक विनियमित बाजार शामिल हैं। स्थिति यह है कि दवाई उद्योग की वैश्विक श्रृंखला के बाधित होने से इस समय भारत की फॉर्मा कंपनियों को विभिन्न दवाइयों की आपूर्ति के ऑर्डर लगातार मिल रहे हैं। गौरतलब है कि इस समय पूरी दुनिया में भारत अपनी दवाओं की कम लागत और उच्च गुणवत्ता के कारण विश्व की नई फार्मेसी के रूप में रेखांकित हो रहा है। भारत का फार्मास्युटिकल उद्योग मात्रा के मामले में दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा और मूल्य के मामले में 14वां सबसे बड़ा उद्योग है तथा फार्मा सेक्टर वर्तमान में देश की जीडीपी में लगभग 1.72 प्रतिशत का योगदान दे रहा

है। इस समय भारत के दवा उद्योग में करीब 3000 दवा कंपनियों और 10500 विनिर्माण इकाइयों का विशाल नेटवर्क शामिल है। भारत को वैश्विक फार्मास्यूटिकल्स क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है। देश में वैज्ञानिकों और इंजीनियरों का एक बड़ा समूह है जो फॉर्मा उद्योग को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की क्षमता रखता है। ग्रीनफील्ड फार्मास्यूटिकल्स परियोजनाओं के लिए स्वचालित मार्ग से 100 फीसदी तक एफडीआई की अनुमति दी गई है। ब्राउनफील्ड फार्मास्यूटिकल्स परियोजनाओं के लिए स्वचालित मार्ग के माध्यम से 74 प्रतिशत तक एफडीआई की अनुमति है और इससे अधिक सरकारी अनुमोदन के माध्यम से है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में अफरा-तफरी है और चीन में निवेश करने वाली कई कंपनियां अन्य देशों में विकल्प की तलाश में हैं। ऐसे में चीन में कार्यरत कई कंपनियों सहित दुनिया के कई देशों की बहुराष्ट्रीय कंपनियां भी भारत के दरवाजे पर दस्तक दे रही हैं। इन सब कारणों से भारत में फॉर्मा सेक्टर का आकार बढ़ रहा है। यदि हम भारत के फॉर्मा सेक्टर में तेजी से बढऩे के कारणों की ओर देखें तो पाते हैं कि भारत वैश्विक स्तर पर जेनेरिक दवाओं का सबसे बड़ा प्रदाता है और अपने किफायती टीकों और जेनेरिक दवाओं के लिए जाना जाता है। जेनेरिक दवाएं, ओवर दि काउंटर दवाएं, थोक दवाएं, टीके, अनुबंध अनुसंधान और विनिर्माण, बायोसिमिलर और बायोलॉजिक्स भारतीय फार्मा उद्योग के कुछ प्रमुख खंड हैं। चूंकि भारत में दवाई उत्पादन की लागत अमेरिका एवं पश्चिमी देशों की तुलना में बहुत कम है, इसी कारण भारत घरेलू और वैश्विक बाजारों के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण, उच्च गुणवत्ता और कम लागत वाली दवाओं के निर्माण में एक प्रभावी भूमिका निभा रहा है। दुनिया की करीब 70 प्रतिशत जेनेरिक दवाओं की मैन्युफैक्चरिंग भारत में ही होती है। जेनेरिक दवाओं की अफ्रीका की कुल मांग का 50 प्रतिशत, अमेरिका की मांग का 40 प्रतिशत तथा ब्रिटेन की कुल दवा मांग का 25 प्रतिशत हिस्सा भारत से ही जाता है। दुनिया की 60 फीसदी वैक्सीन का भी उत्पादन भारत में होता है। इसके अलावा विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनिवार्य टीकाकरण योजनाओं के लिए 70 प्रतिशत टीकों की आपूर्ति भारतीय दवाई निर्माता कंपनियों के द्वारा की जाती है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि भारत में सबसे अधिक फार्मास्युटिकल विनिर्माण सुविधाएं हैं जो अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (यूएसएफडीए) के अनुपालन में हैं और यहां 500 एपीआई उत्पादक हैं जो दुनिया भर के एपीआई बाजार का लगभग 8 प्रतिशत हिस्सा बनाते हैं। केंद्र सरकार ने दवाई उत्पादन में आत्मनिर्भरता लाने, अधिक कीमतों वाली दवाइयों के स्थानीय विनिर्माण को प्रोत्साहन देने और चीन से होने वाले दवाइयों के कच्चे माल-एपीआई (एक्टिव फार्मास्युटिकल्स इंग्रीडिएंट्स) के भारत में ही उत्पादन हेतु कोई ढाई वर्ष पहले शुरू की गई प्रोडक्शन लिंक इंसेंटिव्स (पीएलआई) स्कीम के लाभ मिलना शुरू हो गए हैं। 40 से अधिक कंपनियां पीएलआई स्कीम के तहत फार्मा के कच्चे माल का उत्पादन शुरू कर चुकी हैं या जल्द ही करने वाली हैं। ये कंपनियां अफ्रीका के कुछ देशों में फार्मा के कच्चे माल का निर्यात भी कर रही हैं। यदि हम फार्मा के साथ मेडिकल डिवाइस के निर्यात को देखें तो पाते हैं कि इसमें भी पिछले दो-तीन सालों से 12-15 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो रही है। हालांकि अभी मेडिकल डिवाइस का आयात अधिक हो रहा है और पिछले साल यह आयात 60000 करोड़ रुपए का रहा। मेडिकल क्षेत्र से जुड़े डिस्पोजेबल आइटम, आर्थोपेडिक आइटम, सीरिंज, निडल, ग्लाव्सद जैसे कई आइटम में दुनिया के बाजार में भारत का बोलबाला है। सरकार ने मेडिकल डिवाइस के उत्पादन को बढ़ाने के लिए नीति की घोषणा की है और इस पर अमल के बाद मेडिकल डिवाइस का आयात कम होने के साथ निर्यात भी बढ़ेगा। यह भी महत्वपूर्ण है कि भारत में सस्ती दवाइयों और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा के लिए कई विकसित देशों के मरीज भी भारत का रुख कर रहे हैं। भारत में चिकित्सा सेवा की लागत पश्चिमी देशों की तुलना में बहुत कम है और भारत दक्षिण पूर्व एशिया में सबसे सस्ता है। भारत को चिकित्सा पर्यटन के लिए दुनिया में लाभप्रद जगह माना जा रहा है। वैश्विक मेडिकल टूरिज्म के लिए दुनिया के पहले दस देशों में भारत का नाम रेखांकित हो रहा है। निश्चित रूप से देश के फॉर्मा सेक्टर को आगे बढ़ाने के लिए शोध एवं अनुसंधान विकास के लिए एक संपन्न पारिस्थितिकी तंत्र बनाना होगा। फार्मास्यूटिकल्स और चिकित्सा प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान एवं विकास को प्रोत्साहित करने और इस क्षेत्र में नवाचार के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए भारत में फार्मा-मेडटेक क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास और नवाचार पर एक राष्ट्रीय नीति शुरू की गई है। योजना का उद्देश्य भारतीय फार्मा-मेडटेक क्षेत्र को लागत आधारित से नवाचार आधारित विकास बदलना है।

विशेष लेख

मानव जीवन भी संकट में होगा

पंकज चतुर्वेदी

मई 26 को असम के तिनसुकिया जिले की पाटकाई पहाड़ियों पर अवैध रूप से संचालित 'रेट होल माइंस' में दब कर तीन लोग मारे गए। विदित हो पास ही मेघालय के पूर्वी जयंतिया जिले में कोयला उत्खनन की 26 हजार से अधिक 'रेट होल माइंस' अर्थात चूहे के बिल जैसी खदानें बंद करने के लिए राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) के आदेश को दस साल हो गए हैं, लेकिन आज तक एक भी खदान बंद नहीं हुई। कुछ साल पहले सुप्रीम कोर्ट ने भी इन खतरनाक खदानों को बंद करने लेकिन पहले से निकाल लिए गए कोयले के परिवहन के आदेश दिए थे। इस काम की निगरानी के लिए मेघालय हाई कोर्ट द्वारा नियुक्त जस्टिस बीके काटके समिति ने अपनी 22वीं अंतरिम रिपोर्ट में बताया है कि किस तरह ये खदानें अभी भी मेघों का देश कहे जाने वाले प्रदेश के परिवेश में जहर घोल रही हैं। उल्लेखनीय है कि कभी दुनिया में सबसे अधिक बरसात के लिए मशहूर मेघालय में अब प्यास ने डेरा जमा लिया है। यहां नदियां जहरीली हो रही हैं, और सांस में कार्बन घुल रहा है। यह सब हो रहा है इन खतरनाक खदानों से कोयले के अवैध, निर्बाध खनन के कारण। हाई कोर्ट की कमेटी बताती है कि अभी भी अकेले पूर्वी जयंतिया जिले की चूहा-बिल खदानों के बाहर 14 लाख मीट्रिक टन कोयला पड़ा हुआ है जिसको हटाया जाना है। दस साल बाद भी इन खदानों को कैसे बंद किया जाए, इसकी 'विस्तृत कार्यान्वयन रिपोर्ट' अर्थात डीपीआर प्रारंभिक चरण में केंद्रीय खनन योजना एवं डिजाइन संस्थान लिमिटेड (सीएमपीडीआई) के पास लंबित है। एक बात और, 26 हजार की संख्या तो केवल एक जिले की है, ऐसी ही खदानों का विस्तार वेस्ट खासी हिल्स, साउथ वेस्ट खासी हिल्स और साउथ गारो हिल्स जिलों में भी है। इनकी कुल संख्या सात हजार से अधिक होगी। जस्टिस काटके की रिपोर्ट में कहा गया है, 'मेघालय पर्यावरण संरक्षण एवं पुनर्स्थापन निधि (एमईपीआरएफ) में 400 करोड़ रु पये की राशि बगैर इस्तेमाल पड़ी है, और इन खदानों के कारण हुए प्रकृति को नुकसान की भरपाई का कोई कदम उठाया नहीं गया। मेघालय में प्रत्येक एक वर्ग किलोमीटर में 52 रेट होल खदान हैं। अकेले जयंतिया हिल्स पर इनकी संख्या 26 हजार से अधिक है। असल में ये खदानें दो तरह की होती हैं। पहली किस्म की खदान बमुश्किल तीन से चार फीट की होती हैं। इनमें श्रमिक रेंग कर घुसते हैं। साइड कटिंग के जरिए मजूदर को भीतर भेजा जाता है और वे तब तक भीतर जाते हैं, जब तक उन्हें कोयले की परत नहीं मिल जाती। सनद रहे मेघालय में कोयले की परत बहुत पतली हैं, कहीं-कहीं तो महज दो मीटर मोटी। इसमें अधिकांश बच्चे ही घुसते हैं। दूसरे किस्म की खदान में आयताकार आकार में 10 से 100 वर्गमीटर माप में जमीन को काटा जाता है और फिर उसमें 400 फीट गहराई तक मजदूर जाते हैं। यहां मिलने वाले कोयले में गंधक की मात्रा ज्यादा है और इसे दोयम दर्जे का कोयला कहा जाता है। तभी यहां कोई बड़ी कंपनी खनन नहीं करती। ऐसी खदानों के मालिक राजनीतिक दलों से जुड़े हैं, और श्रमिक बांग्लादेश, नेपाल या असम से पहुंचे घुसपैठिए होते हैं। एनजीटी की रोक के बाद मेघालय की पिछली सरकार ने स्थानीय संसाधनों पर स्थानीय आदिवासियों के अधिकार के कानून के तहत इस तरह के खनन को वैध रूप देने का प्रयास किया था लेकिन कोयला खदान (राष्ट्रीयकरण) अधिनियम, 1973 की धारा 3 के तहत कोयला खनन के अधिकार, स्वामित्व आदि हित केंद्र सरकार के पास सुरक्षित हैं। सो, राज्य सरकार अवैध खनन को वैध का अमलीजामा नहीं पहना पाई। लेकिन गैर-कानूनी खनन, भंडारण और पूरे देश में इसका परिवहन चलता रहता है। आये रोज लोग मारे जाते हैं, कुछ जब्ती और गिरफ्तारियां होती हैं, और खेल जारी रहता हैं। रेट होल खनन न केवल अमानवीय है, बल्कि इसके चलते यहां से बहने वाली कोपिली नदी का अस्तित्व ही मिट सा गया है। एनजीटी ने अपने पाबंदी आदेश में कहा था कि खनन इलाकों के आसपास सड़कों पर कोयले का ढेर जमा करने से वायु, जल और मिट्टी के पर्यावरण पर बुरा असर पड़ रहा है।

जॉर्ज, मोदी, राजग की जीत और मैं !

के. विक्रम राव-
ID (Twitter): @kvikramraov

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के संस्थापक और प्रथम संयोजक जॉर्ज फर्नांडिस को उनकी इक्यानवीं जयंती (3 जून 2024) पर आज राजग नेता नरेंद्र दामोदरदास मोदी ने श्रेष्ठतम उपहार भेंट किया है । राजग की उच्चतम संख्या में लोकसभाई सांसदों की जीत का संकेत दे कर। कारगिल सीमा पर से इस्लामी घुसपैठियों को खदेड़ने वाले रक्षा मंत्री की याद फिर गत माह आई थी । तब पूर्व पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने स्वीकारा था कि सेनापति जनरल परवेज मुशर्रफ की जानी-समझी साजिश थी कि लाहौर की संधि को भंग कर दिया जाए। अटल बिहारी वाजपेई और नवाज़ शरीफ़ने इस पर हस्ताक्षर (21 फरवरी 1999) किए थे । दोनों देश की संसदों

ने इसका अनुमोदन भी किया था । जब गुजरात के दंगों (28 फरवरी 2002) की शुरुआत गोधरा से हुई थी। तब मोदी का बचाव लोकसभा में मुस्तैदी से जॉर्ज फर्नांडिस ने किया था । हालांकि प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने मोदी को राजधर्म की सीख दी थी। मुख्य मंत्री को हटाने की मांग भी उन्होंने की थी । लालकृष्ण आडवाणी के कारण मोदी बच गए। जॉर्ज ने संसद में मोदी का पक्ष लिया। मोदी को यह याद रहा । लोकनायक जयप्रकाश नारायण के 110वीं जयंती पर (11 अक्टूबर 2014) को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में मोदी ने जॉर्ज को स्नेहिल तरीके से याद किया था मोदी ने । पद्म विभूषण का प्रस्ताव आया था। लोकतंत्र प्रहरी के रूप में तभी मुझे भी सम्मानित किया था । मेरे लिए मोदी के शब्द थे : मैं विक्रम को कई वर्षों से जानता हूं । आपातकाल में विक्रम पर बहुत जुल्म हुआ । बहुत अत्याचार हुआ । सिर्फ इसलिए की विक्रम एक पत्रकार था। एक लेबर लीडर था । (आकाशवाणी के दस्तावेजों से) इस जलसे की अध्यक्षता काबीना मंत्री एम. वेंकय्या नायडू कर रहे थे । वहां मेरे साथ लोकतंत्र प्रहरी के रूप में कल्याण सिंह भी मंचासीन थे। नरेंद्रभाई मोदी मेरे संकटत्रस्त तथा दुखद काल के सुहृद रहे । इसीलिए ज्यादा भले लगते हैं । वर्ना इस वक्त तो प्रधानमंत्री के करोड़ों मित्र और समर्थक होंगे । बात मई 1976 की है । मोदीजी तब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कर्मठ कार्यकर्ता थे, तरुणाई में थे, आयु 26 वर्ष रही होगी । मोदीजी ने श्रोताओं को गांधीनगर के अमीन स्कूल सभागार में 2 जनवरी 2002 के दिन गुजरात जर्नलिस्ट यूनियन के सम्मेलन में अध्यक्षता कर रहे मेरे बारे में कहा था कि : जब बडौदा सेंट्रल जेल में विक्रम राव तन्हा कोठरी में नजरबंद था तो उन्होंने जेलर से अखबार देने की विनती की थी । पत्रकार को समाचारपत्र न मिले जैसे जल बिन मछली ! फिर चंद दिनों बाद मुझे अखबार मिलने लगे । जेलर ने बाद में बताया कि एक स्वयंसेवक दे जाता था। वे मुझे समाचारपत्र भिजवा दिया करते थे । देने वाले युवा का नाम था - नरेंद्र मोदी ।

भारत में अरबपति राज व बढ़ती गरीबी

अनुज आचार्य

सेंटर ऑफ इकोनॉमिक्स एंड बिजनेस रिसर्च का भी मानना है कि 2030 तक भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगी। ऐसे में भारत में गरीबी की बढ़ती खाई को पाटने की तत्काल जरूरत है। भारत में जनसंख्या नियंत्रण एवं स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण, स्वच्छता और रोजगार जैसे क्षेत्रों में तेजी से सुधार और लोगों के जीवनस्तर में उत्थान द्वारा ही सामाजिक असमानता पर काबू पाया जा सकता है। इसके लिए सरकारों को निरंतर आर्थिक विकास के लिए नीतियों और कार्यक्रमों को विकसित करना और लागू करना होगा 18वीं लोकसभा चुनावों में इस बार भी गरीबी एक बड़ा मुद्दा बना हुआ है, लेकिन वहीं दूसरी तरफ भारत के सबसे अमीर एक फीसदी लोगों की कमाई एवं संपत्ति और आर्थिक असमानता अपने ऐतिहासिक उच्चतम स्तर पर है। वर्ल्ड इनइक्वलिटी लैब ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। थॉमस पिकेटी, लुकास चांसल और नितिन कुमार भारती द्वारा लिखी गई रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के सबसे अमीर एक प्रतिशत लोगों के पास देश की कुल संपत्ति का करीब 40.1 फीसदी हिस्सा है। वहीं देश की कुल आय में उनकी हिस्सेदारी करीब 22.6 प्रतिशत है। यह अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। यहां तक कि इसने अमरीका जैसे विकसित देशों के अमीरों को भी पीछे छोड़ दिया है। रिपोर्ट के अनुसार सबसे अमीर लोगों ने सांठगांठ वाले पूंजीवाद और विरासत के जरिए बनाई गई संपत्ति का एक बड़ा हिस्सा हड़प लिया है और वे बहुत तेज गति से अमीर हो रहे हैं। पिछले तीन दशकों से भारत में आर्थिक असमानता तेजी से बढ़ी है। इसी बीच केंद्र सरकार का ऋण भी बढ़ा है, लेकिन गरीबी अपनी जगह बरकरार है। वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी के अनुसार 31 मार्च 2014 को केंद्र सरकार का कर्ज 58.6 लाख

करोड़ (जीडीपी का 52.2 प्रतिशत) रुपए था, जो 31 मार्च 2023 को बढक़र 155.6 लाख करोड़ रुपए (जीडीपी का 57.1 प्रतिशत) हो गया है। वहीं 2014-15 से शुरू होने वाले पिछले नौ वित्तीय वर्षों में भारतीय बैंकों ने 14.56 लाख करोड़ रुपए के बुरे ऋण माफ किए हैं। कुल 1456226 करोड़ रुपए में से बड़े उद्योगों और सेवाओं के बट्टे खाते में डाले गए ऋण 740968 करोड़ रुपए थे। जाहिर है इसका फायदा भी बड़े उद्योगपतियों को ही मिला है। वे बहुत तेज गति से अमीर हो रहे हैं, जबकि गरीब अभी भी न्यूनतम वेतन अर्जित करने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंचने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। केंद्र सरकार ने इकोनॉमी को बूस्ट देने के नाम पर 2019 में कार्पोरेट टैक्स को घटाने का ऐलान किया था। इस ऐलान के बाद घरेलू कंपनियों को जो कार्पोरेट टैक्स पहले 30 फीसदी की दर से देना होता था वो घटकर 22 फीसदी हो गया है। जाहिर है इस तरीके से भी उद्योगपतियों को ही लाभ हुआ है। कोरोना संकट के तुरंत बाद लोगों को न केवल अपनी नौकरियों से हाथ धोना पड़ा था बल्कि बड़ी संख्या में कामगारों और मजदूरों का पलायन भी हुआ था। ऊपर से 2020 में बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने भी सीमित मात्रा में रिक्रूटमेंट की थी। इससे हमारे युवाओं को भारी निराशा का सामना करना पड़ा था। सीएमआईई के अनुसार, भारत में बेरोजगारी दर मार्च 2024 में 7.4 प्रतिशत से बढक़र अप्रैल 2024 में 8.1 प्रतिशत हो गई है। महंगाई एवं बेरोजगारी आज भी भारतीय नागरिकों के लिए बड़े मुद्दे बने हुए हैं। यद्यपि भारत में लोगों ने शिक्षा और रोजगार के महत्व को समझा है, तथापि गरीबी के आंकड़े बयां करते हैं कि भारत में पिछले कुछ दशकों में अमीरी-गरीबी के बीच खाई और चौड़ी हुई है। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम द्वारा 2015-16 में जारी रिपोर्ट के अनुसार भारत में 36.40 करोड़ लोग गरीब थे, वहीं नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार भारत में गरीबी दर 2013-14 में 29.17 प्रतिशत से घटकर 2022-23 में 11.28 प्रतिशत रह गई है। यानी कि पिछले 9 सालों में 17.89 प्रतिशत की कमी आई। फिर यह सवाल उठना लाजिमी ही है कि यदि नीति आयोग के आंकड़ों के अनुसार गरीबी घटी है तो 80 करोड़ लोगों में पांच किलोग्राम राशन मुफ्त किसलिए बांटा जा रहा है? आज आवश्यकता इस बात की ज्यादा है कि भारत सरकार के वित्त मंत्रालय और आयकर विभाग सर्वाधिक अमीरों से ज्यादा टैक्स वसूलने और उन व्यापारियों पर नकेल कसें जो गलत ब्यौरा देकर अथवा अपनी वास्तविक आय को छुपाकर बेनामी संपत्ति बना रहे हैं। आज बड़े कस्बों और शहरों में ऐसे लाखों कारोबारी और व्यापारी मिलेंगे जो एमआरपी के नाम पर मोटी कमाई कर अकूत दौलत इकट्ठी कर रहे हैं। लेकिन सरकार को मामूली टैक्स देकर अंगूठा दिखा रहे हैं। ऐसे लोगों की परिसंपत्तियों की जांच होनी चाहिए और उन पर जुर्माना लगाकर उनको भी टैक्स पेयर्स के दायरे में लाया जाना चाहिए। वहीं सरकारी एवं निजी क्षेत्र के कर्मचारियों को राहत पहुंचाने की भी जरूरत है जो ईमानदारी से अपना इनकम टैक्स चुका कर राष्ट्र सेवा कर रहे हैं। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया का दावा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था कोविड-19 संकट के दबाव से बाहर निकल चुकी है। सेंटर ऑफ इकोनॉमिक्स एंड बिजनेस रिसर्च का भी मानना है कि 2030 तक भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगी। ऐसे में भारत में गरीबी की बढ़ती खाई को पाटने की तत्काल जरूरत है। भारत में जनसंख्या नियंत्रण एवं स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण, स्वच्छता और रोजगार जैसे क्षेत्रों में तेजी से सुधार। और लोगों के जीवनस्तर में उत्थान द्वारा ही सामाजिक असमानता पर काबू पाया जा सकता है। इसके लिए सरकारों को निरंतर आर्थिक विकास के लिए नीतियों और कार्यक्रमों को विकसित करना और लागू करना होगा। कहते हैं रात भले ही कितनी भी काली क्यों न हो लेकिन सूर्य की किरणें अपनी रोशनी से चहुं ओर उजाला फैला ही देती हैं। बकौल कवि गोपाल दास नीरज, 'मेरे देश उदास न हो फिर दीप जलेगा तिमिर ढलेगा।' आशा है कि 18वीं लोकसभा के चुनावों के बाद आने वाली केंद्र सरकार भारत की अवाम के लिए खुशियों का पिटारा लेकर आएगी और गरीबी के कलंक से मुक्ति मिलेगी।

जगत कल्याण के लिए की श्री शान्ति नाथ स्वामी पर की महाशान्ति धारा, निर्वाण कल्याणक पर लाडू समर्पित कर मनाया निर्वाण उत्सव

शान्ति के लिए हम सब करते हैं भगवान शान्तिनाथ स्वामी की महा आराधन : विजय धुर्रा

अशोक नगर (विश्व परिवार)। मध्य भारत के सबसे बड़े तीर्थ अतिशय क्षेत्र दर्शनोंदय तीर्थ थूवोनजी में एक हजार वर्ष पुरानी श्रेष्ठी पड़ाशाह दारा प्रतिष्ठापित भगवान श्री शान्तिनाथ स्वामी की विशाल प्रतिमा पर आज भगवान के निर्वाण कल्याणक महोत्सव के शुभ अवसर पर एक सौ आठ रिद्धि मंत्रों से महा अभिषेक के साथ ही ब्रहदमंत्रो से जगत कल्याण की कामना के लिए महा शान्ति धारा की गई इसके बाद भक्ति भाव से प्रभू चरणों में निर्वाण लाडू समर्पित किया जायेगा।

इससे पहले मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि जैन जगत के विख्यात श्रेष्ठी पड़ाशाह जी ने घने जंगलों के वीच एक विशाल जिनालय का निर्माण कर भगवान श्री शान्तिनाथ स्वामी की विशाल प्रतिमा को विराजमान किया था जिनका आज हम निर्वाण कल्याणक मना रहे हैंआज हम हरे भरे उद्यान के रूप में विशाल गगन चुंबी प्रतिमाओं से सुसोभित जिन प्रतिमाओं के साथ विशाल तीर्थ को देख रहे हैं इसकी परिकल्पना रांगा व्यापारी पाड़ांशाह जी ने की थी धनधोर जंगलों के वीच शान्ति के की परि कल्पना को पाड़ाशाहजी ने साकार रूप दिया जहां आज हम बैठकर शांति से धर्म ध्यान कर रहे हैं इस तीर्थ के मूल नायक भगवान श्री शान्तिनाथ स्वामी का हम निर्वाण कल्याणक महोत्सव मना रहे हैं

शान्ति नाथ स्वामी के तीर्थो की पूरी श्रृंखला से वुदेंल खण्ड तीर्थ भूमि वन गई : इस दौरान कमेटी के महामंत्री विपिन सिंघई ने कहा कि श्रावक श्रेष्ठी पड़ाशाह ने ना केवल दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी की भूमि को तीर्थ स्थल के रूप में स्थापित किया वल्कि पूरे वुदेंल खण्ड में तीर्थो की श्रृंखला के रूप आहार जी पपौरा जी वेशई वंजरंगड ईश्वरवारा सहित अनेक तीर्थो की स्थापना कराई इसके पहले आज दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी के खड़े बाबा भगवान आदिनाथ स्वामी का अभिषेक राजू जैन राजपुर अंर्ष जैन खुरई राधेलाल विजय कुमार धुर्रा सहित अन्य भक्तों ने किया जिनका सम्मान कमेटी के शिरोमणि संरक्षण पदम कुमार वाझल रविकांत कासंल शैलेन्द्र दददा प्रसन्न मोदी सहित अन्य प्रमुख जनो ने किया इसके बाद सभी शान्ति धारा के लिए चार इन्द्रो को शोभायात्रा के रूप में भगवान शान्ति नाथ स्वामी के दरवार में पहुंचे।

भगवान के चरणों में किया निर्वाण लाडू समर्पित : जहां महाभिषेक करने का सौभाग्य जैन समाज के कोषाध्यक्ष सुनील अखाई वर्धमान अखाई मानव मोदी आई ए एस जितेन्द्र मोदी परिवार गुना अनुज जैन कैंची बीड़ी परिवार गुना सहित अन्य भक्तों को मिला इसके पहले देवाधिदेव भगवान श्री शान्तिनाथ स्वामी का महा मस्तिष्काभिषेक के साथ ही एक सौ आठ रिद्धि मंत्रों से अभिषेक किया गया इसके साथ ही भगवान की महा आराधना कर निर्वाण लाडू समर्पित किया गया जिसका सौभाग्य क्षेत्र कमेटी के महामंत्री विपिन सिंघई मंत्री राजेन्द्र हलवाई मिडिया प्रभारी अरविंद जैन कचनार अंर्ष जैन खुरई सहित अन्य भक्तों को मिला जिनका सम्मान थूवोनजी कमेटी के अध्यक्ष अशोक जैन टींगू मिल महामंत्री विपिन सिंघई मंत्री राजेन्द्र हलवाई प्रचार मंत्री विजय धुर्रा संरक्षण शैलेन्द्र दददा मिडिया प्रभारी अरविंद कुमार सहित अन्य प्रमुख जनो ने किया।

दिगंबर जैन समाज ने मूल नायक श्री शांतिनाथ भगवान के जन्म तप एवं मोक्ष कल्याणक बड़े ही उत्साह पूर्वक मनाया

नयापारा (विश्व परिवार)। आज नयापारा नगर में सदर रोड स्थित दिगंबर जैन मंदिर में मूल नायक श्री शांतिनाथ भगवान के जन्म तप एवं मोक्ष कल्याणक बड़े ही उत्साह पूर्वक मनाया गया प्रात: से ही मंदिर की में बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति रही सुबह से ही लोग भगवान के कल्याणक बनाने बाबत उत्साहित नजर आए सर्वप्रथम मूल बेदिका में विराजमान सभी भगवानों के अभिषेक की प्रक्रिया आकाश जैन रितेश जैन अखिलेश नाहर के द्वारा कराई गई मूल नायक शांति नाथ भगवान के प्रथम अभिषेक स्वर्ण कलश से आकाश कुमार विकास कुमार अनमोल कुमार परिवार के द्वारा द्वितीय रजनीश अंशुल चौधरी तृतीय मनोज अनिल जयकुमार एवं चतुर्थ रविंद्र कुमार रितेश ऋतिक सिंघई परिवार के द्वारा किया गया,

रजत कलश अभिषेक अमित अग्रिम सिंघाई अनिमेष अखिलेश नाहर अनुराग जैन स्वप्निल चौधरी संजय नाहर रोहित जैन श्री कुमार जैन अतुल जैन अंबर सिंघई मनीष जैन आयुष अनमोल जैन के द्वारा किया गया

मुल नायक शांतिनाथ भगवान के साथ ही सभी भगवानों के प्रथम अभिषेक के बाद मुलनायक शांतिनाथ भगवान के महामस्तकाभिषेक पर शांति धारा स्वर्ण कलश से अक्षय जैन अजीत जैन के द्वारा रजत कलश से अनिल कुमार जयकुमार अभिनव जैन के द्वारा किया गया चंदा प्रभु भगवान पर शांति धारा रवि जैन एवं पुष्पदंत भगवान पर शांति धारा अमित सिंघई अग्रिम सिंघई के द्वारा एवं नेमिनाथ भगवान पर अजय सौरभ समीर आदि चौधरी के परिवार के द्वारा की गई

अभिषेक शांति धारा होने के उपरांत भगवान के मोक्ष कल्यांक महोत्सव को उत्साहपूर्वक मनाया गया शांतिनाथ भगवान को मोक्ष सम्मेद शिखर के से हुआ था शांतिनाथ भगवान तीन पद के धारी थे वह कामदेव चक्रवर्ती एवं तीर्थंकर पद के धारी थे सम्मेद शिखर से मोक्ष जाने के बाद वह संसार के जन्म मरण के दुखों से दूर सिद्ध शिला पर जाकर विराजमान हो गए। हम भी आज उन जैसा बनने की भावना लेकर उनके बताए मार्ग पर चलकर पूजा भक्ति आराधना कर मोक्ष प्राप्त करना चाह रहे हैं।

निर्वाण महोत्सव के अवसर पर पूजा कर निर्वान कांड पढ़कर श्री जी के समक्ष निरवाण लाडू चढ़ाया गए। लाडू चढ़ाने का सौभाग्य प्रथम ममता चौधरी आशीष आगम चौधरी द्वितीय अनीता किशोर अध्ययन शिल्पी सिंघई तृतीय मनोज अनिल जयकुमार जैन एवं चतुर्थ राजकुमार एकता जैन परिवार को प्राप्त हुआ। लाडू बनाकर लाने का सौभाग्य सुनंदा ज्योति नंदिता जैन परिवार को मिला सभी कार्यक्रम विधि विधान पूर्वक अध्यक्ष किशोर सिंघई के द्वारा संपन्न कराया गया महिला मंडल के द्वारा संकट मोचन शांति विधान संपन्न कराया गया विधान में महिला मंडल की बहुत सी बहुत सदस्य श्रीमती कामिनी चौधरी अनीता सिंघई सुनंदा जैन ममता चौधरी श्रीमती चंदा देवी जैन सुषमा चौधरी श्रीमती शशि चौधरी मोनू जैन दुर्ग आदि अनेक महिलाओं ने हिस्सा लिया रात्रि में ज्ञान ज्योति बहू मंडल के द्वारा णमोकार मंत्र चालीसा एवं भक्तांबर पाठ का आयोजन किया गया है सचिवअखिलेश नाहर अध्यक्ष किशोर सिंघई ने उक्त जानकारी देते हुए सभी का आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त समाचार

निर्वाण लाडू चढ़ाकर भगवान शान्तिनाथ स्वामी का जन्म, तप एवं मोक्ष कल्याणक मनाया गया, श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर में बह रही ज्ञान की गंगा

ललितपुर (विश्व परिवार)। तालबेहट के पारसनाथ एवं वासुपूज्य दिगंबर जैन मंदिर में आचार्य विद्यासागर महाराज की विनयांजलि एवं गुरू उपकार महामहोत्सव के अवसर पर दिगंबर जैन श्रवण संस्कृति संस्थान सांगानेर (जयपुर) राजस्थान के तत्वाधान और डॉ. आलोक मोदी शास्त्री एवं पं. मुकेश शास्त्री के निर्देशन में आयोजित श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर का में ज्ञान की गंगा बह रही है। वासुपूज्य दिगम्बर जैन मंदिर में पारस भैया बीना एवं अनिकेत भैया रमगढ़ा और पारसनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में सौरभ भैया घुवारा एवं अर्चित भैया बड़ागांव के द्वारा शिविर में रत्नकरण्डक श्रावकाचार, इष्टोपदेश, छह ढाला एवं बच्चों को बाल बोध का अध्ययन कराया जा रहा है। उन्होंने सुबह मंत्रोच्चार के मध्य अभिषेक-शांतिधारा की क्रियाएँ संपन्न करायी। भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने पूजन विधान किया एवं निर्वाण लाडू चढ़ाकर जैनधर्म के सोलहवें तीर्थंकर भगवान शान्तिनाथ स्वामी का जन्म, तप एवं मोक्ष कल्याणक मनाया। सायं को बहु मण्डल वासुपूज्य जिनालय के तत्वाधान में पालना झूला के उपरांत भक्तामर पाठ के साथ 48 दीपक प्रज्वलित कर मंगल आरती की गयी। कार्यक्रम में सकल दिगम्बर जैन समाज का सक्रीय सहयोग रहा। संचालन अनिल कुमार जैन ने किया। अंत में अहिंसा सेवा संगठन के संस्थापक विशाल जैन पवा ने सभी का आभार व्यक्त ने किया।

पर्यावरण संरक्षण में वृक्षों की अवैध कटान रोकना जरूरी, स्याद्वाद वाटिका में करूणा इन्टरनेशनल द्वारा हुआ वृक्षारोपण

ललितपुर (विश्व परिवार)। पर्यावरण संतुलन के लिए जीवन में वृक्षों का संरक्षण जरूरी है इसके लिए अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर उनकी कटान रोकने के लिए समाज में जागरूकता की नितांत आवश्यकता है। विश्व पर्यावरण दिवस पर स्याद्वाद बाल संस्कार केन्द्र जूनियर हाईस्कूल में स्याद्वाद बाटिका में करूणा इन्टरनेशनल केन्द्र ललितपुर एवं जैन युवा फैडरेशन के तत्वावधान में संगोष्ठी में वक्ताओं ने अपने विचार रखते हुए कहा आज चारों ओर का वातारण प्रदूषित हो रहा है।व्यक्ति को सांस लेना तक मुश्किल हो रहा है। जिसको रोकने के लिए वृक्ष अवश्य लगाए, तभी पर्यावरण शुद्ध रहेगा। केन्द्र के अध्यक्ष अक्षय अलया ने पर्यावरण दिवस पर अपने अपने घरों की वाटिकाओं में एक- एक वृक्ष लगाकर इसे अभियान के रूप में आगे बढ़ाने को कहा।उन्होंने कहा कि अपने घर, आंगन में तुलसी का पेड लगाने से वातावरण की शुद्धि रहेगी। जैन युवा फैडरेशन के अध्यक्ष विवेक जैन अभिलाषा ने कहा ने पालीथीन संस्कृति को रोकने के लिए बाजारों में जरूरत मंद सामान के लिए थैला को प्रचलन में लाने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर कपडे के थैले भी वितरित किए। सर्वोदय अहिंसा अभियान के संयोजक संजय शास्त्री ने पर्यावरण संरक्षण के संबंधी बच्चों को टिप्स भी दिए। कार्यक्रम में केशव प्रसाद पाण्डे, ध्रुव साहू, प्रीतिंकर शास्त्री, अनुराग जैन, शिक्षक पुष्पेन्द्र जैन, अमित चौधरी, राकेश जैन अनौरा, अरविन्द शास्त्री, सौरभ पुजारी, नितिन जैन नजा, अंकित जैन गुढा, सौरभ पुजारी, सीमांत लोहिया, अंकित कठरया, अमिताभ जैनिथ, राहुल शास्त्री, डा0 ऋषभ जैन शास्त्री, के अतिरिक्त मनविन्दर कौर, सीमा जैन, लक्ष्मी सीरोठिया, मेघा जैन आदि मौजूद रहे।

चित आत्मा की परम विशुद्धता परमात्मा पद और आंशिक विशुद्धता धर्मात्मा होने का सूचक हैं : आर्यिका श्री सृष्टि भूषण माताजी

ललितपुर (विश्व परिवार)। आचार्य श्री सुमति सागर जी एवं विद्याभूषण आचार्य श्री सन्मति सागर जी महाराज की शिष्या आर्यिका श्री सृष्टिभूषण माताजी 1008 श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर अटा मंदिर ललितपुर में ग्रीष्मकालीन वाचना हेतु आर्यिका श्री विश्व यश मति सहित विराजित है। आज की धर्म सभा में श्री सृष्टि भूषण माताजी ने बताया कि नफरत करने वाले हमेशा शर्मिंदा होते हैं, और प्यार प्रेम करने वाले मरकर भी अमर और लोकप्रिय होते हैं। इसलिए मनुष्य जीवन में जीने का मतलब समझ कर दुश्मनी नहीं करना चाहिए। मनुष्य की वाणी में अमृत और विश्व दोनों होता है पुण्य उदय से वाणी मिली है तो उसका सदुपयोग करना चाहिए।संत वाणी ज्यादा आचरण से बोलते हैं।स्वयंभू स्तोत्र में भगवान का गुणानुवाद करते हैं इससे कोटी जन्म के पाप कर्म नष्ट हो जाते हैं। आत्मा का स्वभाव विशुद्ध परिणति का है। संघस्थ शिखा दीदी अनुसार माताजी ने आगे बताया कि चित् आत्मा की परम विशुद्धता का नाम परमात्मा है, और चित आत्मा की आंशिक विशुद्धता से व्यक्ति धर्मात्मा होता है। जैन कुल में जन्म लेने से सौभाग्य नहीं मिलता है जन्म का सौभाग्य दीक्षा लेने से संयम धारण करने से होता है। पूजा, प्रेम, धर्म, स्वाध्याय आत्मा का स्वभाव है क्रोध, मान, माया लोभ कम होने से परिणाम में विशुद्धता आती है। धर्म का संविधान सर्वोपरि है आज के मानव का जीवन क्रोध, आकांक्षा आसक्ति, से बर्बाद हो रहा है आसक्ति परिवार की, धन दौलत की, संपत्ति, काम, विषय भोग, पुत्र, संसार आदि की होती है जिस प्रकार बुखार सचेत कर शरीर में विकृति की सूचना देता है इसी प्रकार आपको नौ कर्म, द्रव्य, क्षेत्र काल भाव आदि से धर्म की उपलब्धि करना चाहिए तभी संसार के कष्ट दूर होंगे। माताजी के प्रवचन के पूर्व आर्यिका श्री विश्वयश मति जी के प्रवचन हुए। -राजेश पंचोलिया

मन को स्वस्थ रखने के लिए एक्सरसाइज भी जरूरी है और सामायिक मन की एक्सरसाइज भी : स्वस्तिभूषण माताजी

केशवराय पाटन (विश्व परिवार)। आज शास्त्री परिषद के विद्वत सम्मेलन में विद्वानों का विषय रहा प्रमाण और प्रमाणाभास! प्रमाण का अर्थ होने से है ! प्रमाणाभास का अर्थ है नहीं है लेकिन है! जैसे दर्पण में हम देखते हैं तब दिखते हैं लेकिन हैं नहीं ये प्रमाणाभास है! किसी ने पूंछा आपका मकान कहां है आप ने बताया अमुक शहर में है! ये प्रमाणाभास है क्योंकि शरीर की अपेक्षा से वह घर आपका है लेकिन आत्मा की अपेक्षा से नहीं है। जब तक मन बाह्य क्रियाओं जैसे पाप कषाय आदि से जुड़ता है तब तक बाह्य वृद्धि होती है! हम संसार में रहें और संसार हमारे अंदर भी ना रहे! हम क्या पढ़ते हैं भजन में संसार में रहकर प्राणी संसार को तज सकता है जब बाह्य से ममत्व छूट जाए अंतरंग से ममत्व जुड़ जाए!

विगत दिनों से श्रावक के बारह व्रतों के विषय चल रहा था! 4 शिक्षाव्रतों में एक होता है सामायिक शिक्षाव्रत! सामायिक का अर्थ होता है समता! आम लेने बाजार गए तो दुकान वाले ने तराजू में एक ओर बांट रखा एक ओर आम रखकर तौला तो दोनो पलड़े समान रखे! बस इसी समानता का अर्थ है सामायिक! सभी परिणामों में सम रहना ही श्रेष्ठ है! सुनने में राग द्वेष नहीं करना चाहिए! देखने में राग द्वेष नहीं करना चाहिए!

पूज्य गुरु मां स्वस्तिभूषण माताजी ने कहा कि आजकल इंसान शरीर को स्वस्थ रखने के लिए हाथों की एक्सरसाइज पैरों की एक्सरसाइज गर्दन की एक्सरसाइज कमर की एक्सरसाइज आदि करता है! लेकिन कभी विचार किया है कि मन को स्वस्थ रखने के लिए भी एक्सरसाइज करना चाहिए! अगर शरीर की एक्सरसाइज करने के बाद भी हम दुखी हैं तो हमे मन की एक्सरसाइज की आवश्यकता है! और सामायिक मन की एक्सरसाइज है! जितनी देर सामायिक किया उतनी देर राग द्वेष का त्याग रहता है। हमने दिन भर क्या किया हमे क्या नहीं करना चाहिए था उसका चिंतन करना! फिर बारह भावनाओं का चिंतवन करना। माताजी ने कहा कि हमारा मन बिखरा हुआ है उसको समेटना पड़ेगा! हमारा मन घर में बच्चो में पत्नी में दोस्तों आदि में लगा है! जब हम सामायिक करते हैं ध्यान करते हैं तो अपने को अपने में समेट लेते है बस इसी को सामायिक कहते है! उन्होंने कहा कि सभी को दिन में कम से कम एक घड़ी सामायिक या ध्यान अवश्य करना चाहिए। चेतन जैन केशवराय पाटन से प्राप्त जानकारी।

-अभिषेक जैन लुहाड़िया

विश्व पर्यावरण दिवस पर जिले के वरिष्ठ अधिकारियों ने किया पौधरोपण, अमृत सरोवर के मेड़ पर भी लगाया जा रहा पौधा

जगदलपुर (विश्व परिवार)। बस्तर वन मंडल के द्वारा आयोजित विश्व पर्यावरण दिवस पर जिले के वरिष्ठ अधिकारियों ने श्यामाप्रसाद मुखर्जी सभागार परिसर में पौधारोपण किया। पौधारोपण कार्यक्रम में सीसीएफ श्री आरसी दुग्गा ने बादाम के पौधे, कलेक्टर श्री विजय दयाराम के ने आम के पौधे, पुलिस अधीक्षक श्री शलभ सिन्हा ने जामुन के पौधे, सीईओ जिला पंचायत श्री प्रकाश सर्वे ने नीम के पौधे, वनमण्डलाधिकारी श्री उत्तम गुप्ता ने आम के पौधे का रोपण किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीसीएफ श्री आरसी दुग्गा ने कहा कि वन है तो जल है, जल है तो कल है, इसके लिए हमे अधिक-अधिक पेड़ लगाने है, पौधों-पेड़ों का संरक्षण करना है ताकि पर्यावरण को हराभरा बनाए रखे। उन्होंने पेड़ों के महत्व को बताया कि पेड़ के आसपास अन्य जगह से चार डिग्री तापमान की कमी रहती है, इसके अलावा वायु, ध्वनि प्रदूषण को रोकने में अहम भूमिका निभाती है।

कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने कहा कि हम ईको फ्रेंडली के रूप में पैदा हुए और जीवन को बेहतर करने के लिए पर्यावरण का अपने हिसाब से उपयोग किए। पर्यावरण को नुकसान भी हुआ, इस नुकसान की भरपाई के लिए सभी अपने स्तर पर प्रयास करते है। ईको फ्रेंडली को बढ़ावा दे कर आने वाले भावि पीढ़ी हेतु पर्यावरण को बचाने के लिये हमे पेड़ों के महत्व को समझना होगा और अधिक से अधिक पौधे लगाने होगें।

विश्व पर्यावरण दिवस पर शासन के निर्देशानुसार जिले के ग्राम पंचायतों में चिन्हांकित अमृत सरोवर के मेड़ों में जनपद पंचायतों के द्वारा पौधरोपण किया जा रहा है। जिला पंचायत सीईओ श्री सर्वे ने जनपद जगदलपुर के ग्राम बिलौरी के सरोवर में पौधरोपण किया। पौधरोपण का कार्यक्रम के तहत सभी अमृत सरोवरों में पौधे लगाने का काम किया जा रहा है। इस अवसर पर सभी ने पर्यावरण को बचाने की शपथ भी ली।

विश्व पर्यावरण दिवस : वेदांता एल्यूमिनियम ने पारिस्थितिक संरक्षण के लिए आईओआरए के साथ भागीदारी की

पर्यावरणीय जागरुकता बढ़ाने के लिए कंपनी ने कई कार्यक्रम आयोजित किए

रायपुर (विश्व परिवार)। भारत की सबसे बड़ी एल्यूमिनियम उत्पादक वेदांता एल्यूमिनियम ने भारत की अग्रणी पर्यावरण परामर्शक फर्म आईओआरए ईकोलॉजिकल सॉल्यूशंस के साथ एक करार (मैमोरैंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग) पर दस्तखत किए हैं। इस भागीदारी के तहत वेदांता एल्यूमिनियम आईओआरए के सहयोग से अपने प्रचालनों के आसपास के इलाकों में प्रकृति आधारित समाधानों (एनबीएस) को अमल में लाते हुए जैवविविधता व प्राकृतिक स्त्रोतों को संरक्षित करेगी तथा लैंडस्केप स्तर पर जलवायु पलटाव हासिल करेगी। लैंडस्केप स्तर पर प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन में शामिल होता है एक बड़े क्षेत्र में पानी, मिट्टी, वनस्पति और जीवों जैसे कुदरती संसाधनों का संरक्षण।

2009 में स्थापित आईओआरए प्राकृतिक संसाधन संरक्षण, कार्बन फॉरेस्ट्री, जलवायु परिवर्तन न्यूनीकरण एवं अनुकूलन में तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान करती है। इस सहभागिता के अंतर्गत आईओआरए वेदांता एल्यूमिनियम को ऐसी परियोजनाओं के विकास एवं अमल में सहयोगी करेगी जो स्थानीय जैवविविधता एवं ईकोसिस्टम के लैंडस्केप स्तरीय प्रबंधन पर केन्द्रित होंगे; इनमें शामिल होंगे- जलवायु परिवर्तन न्यूनीकरण हेतु तकनीक-चालित परियोजनाओं की पहचान, डिजाइनिंग व प्रबंधन जो कि वैश्विक सस्टेनेबिलिटी प्रयासों एवं संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों के मुताबिक होंगे। वेदांता एल्यूमिनियम प्रकृति आधारित क्लाईमेट ऑफसैट एवं जैव विविधता प्रबंधन परियोजनाओं को पड़ोसी समुदायों और अन्य इच्छुक पक्षों के साथ मिलकर लागू करेगी। ये पहलें ओडिशा एवं छत्तीसगढ़ में कंपनी के प्रचालनों के आसपास शुरु की जाएंगी। इससे स्थानीय समुदायों व अन्य पक्षों के संग जमीनी स्तर पर जुड़ाव का विस्तार हो सकेगा। यह काम संगठित मंचों, जागरुकता वर्धन, क्षमता निर्माण कार्यक्रमों, जमीनी जैव विविधता एवं प्रकृति संरक्षण विधियों के अमल के जरिए किया जाएगा। इन सभी कार्यों का सम्मिलित उद्देश्य होगा वेदांता एल्यूमिनियम के प्रचालनों के प्रत्येक पहलू में व्यवहार्य प्रकृति-सकारात्मक कार्यों की सक्रिय पहचान एवं एकीकरण।

इस भागीदारी पर वेदांता एल्यूमिनियम के सीईओ श्री जॉन स्लेवन ने कहा, ''वेदांता एल्यूमिनियम में हम अपनी निर्णय प्रक्रिया के हर एक पहलू में सस्टेनेबिलिटी को शामिल कर रहे हैं। हम अपनी कामयाबी को इस तरह मापते हैं कि अपने प्रचालनों के माध्यम से हम क्या सकारात्मक सामाजिक-आर्थिक बदलाव लाए और कैसा पर्यावरण प्रबंधन हमने हासिल किया। इस प्रयास के तहत हम संसाधन क्षमताओं, सर्कुलर अर्थव्यवस्था एवं समावेशी सामुदायिक सहभागिताओं को बढ़ाने पर ध्यान केन्द्रित कर रहे हैं तथा 2050 तक या उससे पहले नैट् ज़ीरो उत्सर्जन के मुकाम तक पहुंचने के लिए प्रतिबद्ध हैं।''

आईओआरए ईकोलॉजिकल सॉल्यूशंस के सीईओ श्री स्वपन मेहरा ने इस बारे में कहा, ''वेदांता एल्यूमिनियम के सहभागी बन कर हम बहुत खुश हैं, इस भागीदारी के तहत कंपनी के प्रचालनों के आसपास के इलाकों में व्यापक पर्यावरणीय एवं ईकोलॉजिकल समाधान तैनात किए जाएंगे। वेदांता इंडस्ट्री लीडर है और इस संदर्भ में इनके प्रयास विश्व स्तर पर इनकी समकक्ष कंपनियों को प्रेरित करेंगे जिससे वे भी अपनी योजनाओं को इसी प्रकार आगे बढ़ाएंगी और पूरे उद्योग में परिवर्तनकारी प्रभाव उत्पन्न हो सकेगा।'' वेदांता एल्यूमिनियम के प्रचालनों में शामिल हैं- झारसुगुडा स्थित दुनिया का सबसे बड़ा एल्यूमिनियम प्लांट और लांजिगढ़, ओडिशा स्थित विश्व स्तरीय एल्यूमिना रिफाइनरी और इनके अतिरिक्त राज्य में खनन प्रचालन। इनमें कोरबा, छत्तीसगढ़ स्थित भारत की आइकॉनिक एल्यूमिनियम उत्पादक बाल्को भी शामिल है। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कंपनी ने अपनी टीमों एवं समुदायों के संग अनेक ज्ञान वर्धक एवं जुड़ाव कायम करने वाली कोशिशें की। जिनमें शामिल थीं- मरुस्थलीकरण का असर, सूखे का पलटाव और व्यापार-जैवविविधता आवश्यकताओं का संरेखीकरण जैसे विषयों पर विशेषज्ञों के सत्र और वृत्तचित्रों का प्रदर्शन।

वेदांता लिमिटेड की इकाई वेदांता एल्यूमिनियम भारत की सबसे बड़ी एल्यूमिनियम उत्पादक है। वित्तीय वर्ष 24 में 23.7 लाख टन उत्पादन के साथ कंपनी ने भारत के कुल एल्यूमिनियम का आधे से ज्यादा हिस्सा उत्पादित किया। यह मूल्य संवर्धित एल्यूमिनियम उत्पादों के मामले में अग्रणी है जिनका उपयोग कई अहम उद्योगों में किया जाता है। वेदांता एल्यूमिनियम को एल्यूमिनियम उद्योग में एस एंड पी ग्लोबल कॉर्पोरेट सस्टेनेबिलिटी असैसमेंट 2023 में पहली वैश्विक रैंकिंग मिली है, यह उपलब्धि कंपनी की सस्टेनेबल विकास प्रक्रियाओं को प्रतिबिम्बित करती है। भारत में अपने विश्वस्तरीय एल्यूमिनियम स्मेल्टर्स और एल्यूमिना रिफाइनरी के साथ कंपनी हरित भविष्य के लिए विभिन्न कार्यों में एल्यूमिनियम के प्रयोग को बढ़ावा देने और इसे 'भविष्य की धातु' के रूप में पेश करने के अपने मिशन में लगातार आगे बढ़ रही है।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर गुरूवार 06 जून 2024

हत्या, आईईडी प्लांट करने, रोड काटने, एवं पाम्पलेट-बैनर लगाने की घटना में थे शामिल

अलग-अलग कार्यवाही में 12 माओवादी गिरफ्तार

बीजापुर। जिले में चलाये जा रहे माओवादी विरोधी अभियान के तहत् थाना जांगला एवं कुटरू की संयुक्त कार्यवाही में बेंचरम एवं बड़ेतुंगाली से 06 माओवादी एवं थाना मिरतुर के द्वारा केतुलनार एवं एड़समेटा के मध्य नाला के पास से 03 माओवादी एवं 03 विधि से संघर्षरत बालक को पकड़ा गया। पकड़े गये माओवादी लम्बे समय से मओवादी संगठन में सक्रिय होकर कार्यरत है। बोटी माड़वी पिता नन्दों माड़वी उम्र 36 वर्ष जाति मुरिया निवासी मावलीपारा बेंचरम थाना जांगला, पदनाम जनताना सरकार अध्यक्ष, बेंचरम, ईनाम 1.00 लाख, वर्ष 2012 से सक्रिय, बदरू वाचम पिता पाण्डू वाचम उम्र 40 वर्ष जाति मुरिया निवासी मावलीपारा बेंचरम थाना जांगला, पदनाम जनताना सरकार उपाध्यक्ष, बेंचरम, वर्ष 2015 से सक्रिय। मुन्ना राम पोड़ियामी पिता पायको पोड़ियामी उम्र 29 वर्ष जाति मुरिया निवासी डोंगरपारा जैगुर थाना जांगला, पदनाम मिलिशिया सदस्य, ईनाम पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज जगदलपुर की ओर से गिरफ्तारी के लिये 20.00 हजार ईनाम उद्घोषित, (दरभा छसबल कैम्प में पदस्थ सीसी की हत्या में शामिल था), वर्ष 2015 से सक्रिय। पोदिया मुड़ामी पिता सन्नू मुड़ामी उम्र 30 वर्ष निवासी डोंगरीपारा बेंचरम थाना जांगला, पदनाम मिलिशिया सदस्य, वर्ष 2005 से सक्रिय। रामलू उरसा पिता आयतू उरसा उम्र 35 वर्ष जाति मुरिया पटेलपारा बड़े तुंगाली थाना जांगला, पदनाम मिलिशिया सदस्य, वर्ष 2022 से सक्रिय। बिज्जा उरसा पिता मासा उरसा उम्र 23 वर्ष जाति मुरिया निवासी पटेलपारा थाना जांगला जिला बीजापुर, पदनाम मिलिशिया सदस्य, वर्ष 2023 से सक्रिय। सतीश मरकाम पिता सोमलू मरकाम उम्र 25 वर्ष जाति मुरिया निवासी जप्पेमरका थाना मिरतुर जिला बीजापुर, पदनाम पोमरा आरपीसी सीएनएम सदस्य वर्ष 2018 से सक्रिय। शांति पोटाम पिता सुक्कु पोटाम उम्र 20 वर्ष निवासी पेरमापारा पुसनार थाना गंगालूर, जिला बीजापुर, पदनाम गंगालूर एरिया कमेटी पीएलजीए सदस्या, वर्ष 2013 से सक्रिय। रीना ओयाम पिता लखमू ओयाम उम्र 20 वर्ष निवासी स्कूलपारा पेददाजोजेर थाना गंगालूर, जिला बीजापुर, गंगालूर एरिया कमेटी पार्टी सदस्या, वर्ष 2015 से सक्रिय, वही तीन नबालिक भी पकड़ा गए। जिले में चलाये जा रहे माओवादी विरोधी अभियान में थाना जांगला एवं कुटरू की संयुक्त कार्यवाही में दरभा छसबल कैम्प के कंपनी कमाण्डर की हत्या एवं बेंचरम स्थित जिओ टावर में आगजनी की घटना में शामिल फरार 04 माओवादियों को पकड़ा गया। पकड़े गये माओवादी में मुन्ना राम पोड़ियामी दरभा छसबल कैम्प के सीसी की हत्या में शामिल था जिसकी गिरफ्तारी के लिये पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज जगदलपुर के द्वारा 20.00 हजार का ईनाम उद्घोषित है। सर्चिंग एवं सड़क निर्माण कार्य मे सुरक्षा व्यवस्था में निकली पार्टी के द्वारा बड़े तुंगाली के जंगल से विस्फोटक सहित 02 मिलिशिया सदस्यों को पकड़ा गया। थाना मिरतुर का बल फुलादी, एड़समेटा, जप्पेमरका की ओर निकले थे। सर्चिंग के दौरान अभियान दल के द्वारा एड़समेटा-केतुलनार के मध्य नाला के पास जंगल झाड़ी मे लुकते छिपते 03 माओवादी एवं 03 विधि से संघर्षरत बालकों को पकड़ा गया नजर आये जिन्हे पुलिस पार्टी द्वारा घेराबंदी कर पकड़ा गया। उक्त के कब्जे से शासन विरोधी नारे, बहिष्कार, अन्य जन विरोधी नारों, बंद के आह्वान के पाम्पलेट एवं बैनर बरामद किया गया। उक्त के विरूद्ध थाना मिरतुर एवं जांगला में वैधानिक कार्यवाही उपरान्त न्यायालय पेश किया गया है। प्रकरण में पकड़े गये विधि से संघर्षरत बालक/बालिका को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश किया गया है।

परिवहन संघ के नरेन्द्र अध्यक्ष, कुबेर सचिव नियुक्त

राजनांदगांव। राजनांदगांव खनिज परिवहन संघ के नवनियुक्त अध्यक्ष नरेंद्र यादव मुन्ना ने रविवार को अपने जिले की कार्यकारिणी घोषित की। कार्यकारिणी में संरक्षक के रूप में समीर पोद्दार, जीतू जैन, दामू भूतड़ा, जिले में उपाध्यक्ष के रूप में मुकेश लोढ़ा डोंगरगांव, कमलेश शांडे खैरागढ़, प्रमोद साहू राजनांदगांव, सनी भाटिया डोंगरगढ़, रोमी भाटिया छुरिया, घनाराम साहू तेलीटोला, संगठन के महामंत्री हेमंत चोपड़ा डोंगरगांव, सचिव कुबेर वैष्णव राजनंदगांव तथा सहसचिव मुकेश कोडवानी, अभिषेक गुप्ता को नियुक्त किया गया है। साथ ही संगठन के कोषाध्यक्ष पद पर अंकित अग्रवाल राजनांदगांव व शिव रजक राजनांदगांव की नियुक्ति हुई है। जिला खनिज परिवहन संघ के मीडिया मीडिया विभाग की जिम्मेदारी अमित जैन राजनांदगांव, शेखर यादव कलडबरी को दिया गया है। संगठन के विशेष सलाहकार के रूप में नमिताभ जैन राजनांदगांव, वीरेंद्र झा राजनांदगांव, अरुण चोपड़ा राजनांदगांव, बंटी महाराज राजनंदगांव, अभिनव तिवारी सोमनी की नियुक्ति हुई है। राजनांदगांव खनिज परिवहन संघ द्वारा जिले के कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त किए गए हैं। जिसमें राजनांदगांव से गौरव साहू, राहुल देवांगन, कैलाश देवांगन, गुड्डू देवांगन, सुरेंद्र साहू, डोंगरगांव से जागेश्वर साहू, रूपेश गुप्ता, देवेंद्र साहू, संपत सिन्हा, जितेंद्र धनकर, डोंगरगढ़ से नंदकुमार महोबिया, रत्नेश संचेती, अशरफ अली, आशु खान, चुम्मन साहू, छुरिया से बोधन साहू, राधे पटेल, लोकेश निर्मलकर, टीकम साहू, सुनील लडोकर, मोहला मानपुर से शेख यासीन।

विष्णुदेव साय सरकार में बजरंग दल के नेता सुरक्षित नहीं : तुकाराम चंद्रवंशी

- भाजपा सरकार में बजरंग दल नेता की हत्या, प्रशासन से न्याय न मिलना शर्मनाक

कवर्धा। बलरामपुर जिले में 27 मई को बजरंग दल नेता सुजीत स्वर्णकार की निर्मम हत्या मामले में प्रशासन से न्याय नहीं मिलने पर जिला पंचायत सदस्य एवं प्रदेश उपाध्यक्ष तुकाराम चंद्रवंशी ने भाजपा सरकार पर हमला करते हुए कहा भारतीय जनता पार्टी की सरकार में उनके अपने ही संगठन के नेता सुरक्षित नहीं है तो फिर ऐसे में पूरे प्रदेश की जनता की सुरक्षा का दावा करना साय सरकार के मुंह से बेइमानी लगता है। तुकाराम चंद्रवंशी ने बताया बीते 27 मई को बजरंगदल के सह संयोजक सुजीत स्वर्णकार की निर्मम हत्या पर विश्व हिंदू परिषद ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखकर राज्य के कृषि मंत्री रामविचार नेताम पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि मंत्री रामविचार नेताम जैसे अनुभवी व जिम्मेदार नेता अपने दायित्व से पूरी तरह विमुख होकर एक संवेदनहीन प्रशासक की तरह इस मामले में व्यवहार कर रहे हैं इतना ही नहीं बल्कि विश्व हिंदू परिषद ने यह भी कहा कि हिंदूवादी सरकार से हिंदू संगठन इस तरह के व्यवहार की अपेक्षा नहीं कर रहा था बलरामपुर जिले में बजरंग दल के पदाधिकारी की हत्या मामले में सही आरोपियों को नहीं पकड़े जाने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी तक दे दी। विश्व हिंदू परिषद का आरोप है बलरामपुर पुलिस भी इस हत्याकांड पर पर्दा डालने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं पुलिस हत्या का एंगल को मोड़कर सुजीत की मौत करंट लगने से बता रहे है जबकि विश्व हिंदू परिषद का दावा है कि मृतक सुजीत स्वर्णकार के शरीर में पेट और जांघ पर धारदार हथियार से वार किया गया है और उंगलिया और गर्दन तोड़ा गया है यह घटनाक्रम पुलिस के पंचनामा में उल्लेख होने का बात कहा है। विश्व हिंदू परिषद का आरोप है कि मृतक को हलाल कर अधमरा अवस्था में करंट लगाया गया तड़पा कर हत्या कर शव को जंगल में फेंक दिया। चंद्रवंशी ने कहा कृषि मंत्री रामविचार नेताम के गृह जिला में बजरंग दल की नेता की हत्या बेहद शर्मनाक है और उसे पर पुलिस का यह दोहरा रवैया भी कई प्रश्नों को जन्म देता है और पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़ा करता है आखिरकार यह सब हत्या को छुपाने का प्रयास है या फिर भाजपा के बड़े नेता के इशारे पर जंगल में तरंगित तार बिछाने वाले 3 लोगो की गिरफ्तारी खाना पूर्ति है और हत्यारों को बचाने का यह सोची समझी साजिश है अब देखना लाजमी है कि आखिर कब तक इस मामले सीबीआई जांच कर मृतक के परिजनों को सरकार से न्याय मिलेगा और दोषियों पर कब तक कार्रवाई होगी।

आयुक्त ने नगर निगम रायपुर क्षेत्र के लिए बाढ़ नियंत्रण प्रकोष्ठ का गठन कर अधिकारियों को दायित्व सौंपे

प्रकोष्ठ मुख्यालय मोटर कर्मशाला कार्यालय टिकरापारा बनाया गया, दूरभाष नंबर पर नागरिक बाढ़ संबंधी सूचनाएं दें सकेंगे, प्रकोष्ठ का कार्य 20 जून से प्रभावशील

रायपुर। नगर निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा द्वारा नगर निगम रायपुर क्षेत्र हेतु मानसून के दौरान अतिवृष्टि होने एवं निगम क्षेत्र में बाढ़ प्रभावित होने पर जल निकासी व बचाव कार्य की व्यवस्था करने हेतु बाढ नियंत्रण प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। प्रकोष्ठ मुख्यालय टिकरापारा पुलिस थाना के पास स्थित मोटर कर्मशाला कार्यालय बनाया गया है। दूरभाष नंबर 0771-2272101, 2274101 में नागरिक बाढ संबंधी सूचनाएं दे सकते है। इसमें कार्यपालन अभियंता प्रदीप यादव प्रभारी अधिकारी मोबाईल नंबर 9301953219 के तौर पर बाढ़ नियंत्रण से संबंधित सूचनाएं संबंधित निगम अधिकारियों व कर्मचारियों को तत्काल देने हेतु जवाबदेह रहेंगे। आयुक्त ने नगर निगम रायपुर क्षेत्र हेतु बाढ़ नियंत्रण प्रकोष्ठ का कार्य दिनांक 20 जून 2024 से प्रभावशील करने का आदेश दिया है। ज्ञात हो कि नगर निगम आयुक्त ने आदेश जारी कर प्रकोष्ठ मे 8-8 घंटे की 3 शिफ्ट में अधिकारियों, अभियंताओं, कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई है। सम्पूर्ण कार्य के लिये निगम प्रभारी अपर आयुक्त विनोद पाण्डेय मो.नं. 9424264100 को प्रभारी अधिकारी एवं उनका लिंक अधिकारी निगम स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तृप्ति पाणिग्रही मो. नं. 9691285715 को बनाया गया है। अतिवृष्टि / आपात की स्थिति में पूर्ण नियंत्रण की जवाबदेही संबंधित जोन के जोन कमिश्नर की रहेगी। सभी जोन कमिश्नर प्रकोष्ठ जोन प्रभारी के तौर पर बाढ़ नियंत्रण कार्य करेंगे। अतिवृष्टि के दौरान प्रत्येक वर्षा काल एवं जोन के अंतर्गत आने वाले वार्डो का भ्रमण कर वे प्रथम सूचना प्राप्त कर जल निकास करके तत्काल बाढ़ प्रभावित परिवारों का आवश्यक व्यवस्थापन करके अनिवार्य व्यवस्था उपलब्ध करायेंगे। जोन स्वास्थ्य अधिकारी प्रतिदिन जोन कमिश्नर से समन्वय रखकर कार्यो की रोजाना प्रगति से उन्हें अवगत करायेंगे। समस्त जोन कमिश्नर नगर के जर्जर भवनों की सूची तत्काल तैयार कर जर्जर भवन मालिकों को निगम अधिनियम के तहत नोटिस देने की नियमानुकुल कार्यवाही करेंगे। प्रत्येक जोन कमिश्नर यह प्रमाणित करेंगे कि उनके जोन क्षेत्र में सभी जर्जर भवनों के विरूद्ध कार्यवाही की जा चुकी है अन्य कोई जर्जर भवन शेष नहीं है। आयुक्त ने सभी जोन कमिश्नरों को निर्देशित किया कि बाढ़ नियंत्रण प्रकोष्ठ कार्यालय एवं प्रत्येक जोन कार्यालय में बाढ़ से संबंधित शिकायतों के लिये पृथक से शिकायत पंजी प्रविष्ठि कर संधारित की जाये। आयुक्त ने नगर के ऐसे आवासीय व्यवसायिक परिसरों, जिसमें अतिवृष्टि के समय बेसमेंट में पानी भर जाता है, उसे निकालने पंप फायर फाईटिंग उपकरण विद्युत के अवरोध से बचाव व बेसमेंट में पानी में करंट न हो ऐसे बचाव के उपाय हेतु तत्काल संबंधित भवन मालिकों को समय रहते अवगत करा कर सम्पूर्ण बचाव सुरक्षा व्यवस्था जनहित में जनजीवन सुरक्षा हेतु मानसून के दौरान पूर्व निश्चित करवाने निर्देश दिये है। उन्होने सभी जोन कमिश्नरों को प्रत्येक जोन में 100-100 बोरी रेत की व्यवस्था उनका तालाबों, नालों, नहरों के कटाव को रोकने के लिए सदूपयोग करने रखवाने के निर्देश दिये है। बाढ़ नियंत्रण प्रकोष्ठ मुख्यालय में तत्काल 200 बोरी रेत रखवाना सुनिश्चित करने प्रभारी कार्यपालन अभियंता श अतुल चोपड़ा मो.नं. 7694930615 को दायित्व दिया है। प्रत्येक जोन एवं बाढ़ नियंत्रण प्रकोष्ठ में बाढ राहत सामग्री मोटर पंप, रस्सी, ट्यूब, टार्च, बाल्टियां, धमेला, सब्बल, कुदाल आदि की व्यवस्था जोन के द्वारा की जाये एवं बाढ़ नियंत्रण राहत शिविर भवनों, शाला भवनों में पेयजल प्रबंध व निचली बस्तियों के जल भराव वाले स्थानों में नागरिकों हेतु पानी पाउच की व्यवस्था करने का कार्य जोन कमिश्नर करें। आयुक्त ने बाढ़ प्रभावित परिवारों के व्यवस्थापन की व्यवस्था का दायित्व सभी जोन कमिश्नरों को दिया है एवं भोजन की व्यवस्था भी जोन कमिश्नरो के दायित्व में दी गई है। बाढ़ से प्रभावित परिवारों के व्यवस्थापन के लिये शाला भवनों का उपयोग किया जायेगा। सहायक अभियंता पी.डी. घृतलहरे मो. नं. 7489051529 प्रतिदिन 8 बजे एवं संध्या 6 बजे बाढ़ नियंत्रण प्रकोष्ठ मुख्यालय में उपस्थित होकर वहां की जानकारी लेंगे एवं शिविर में रहने वाले नागरिकों की सूची तैयार करके जिनके मकान क्षतिग्रस्त हो गये है उन्हें बाढ़ प्रभावित शिविरों में रखने की व्यवस्था करायेंगे। शिविरों में चिकित्सकों की व्यवस्था स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तृप्ति पाणिग्रही कराकर अपने निर्देशन में आवश्यकतानुसार कार्य करायेंगे। बाढ़ नियंत्रण प्रकोष्ठ मुख्यालय का उपकार्यालय प्रत्येक निगम जोन का कार्यालय भवन रहेगा, जहां प्रतिदिन जोन कमिश्नर व्यवस्था की समीक्षा कर उच्चाधिकारियों को वस्तुस्थिति की जानकारी देवेंगे। नालों, नालियों के अवरोध जिनके कारण जल निकास अवरूद्ध होता है या जिन क्षेत्रो की कच्ची नालियो के माध्यम से जल निकास किया जाना है की व्यवस्था प्रत्येक जोन कमिश्नर, जोन स्वास्थ्य अधिकारी व जोन स्वच्छता निरीक्षक के साथ मिलकर सुनिश्चित करायेंगे। पंपों के ईंधन व्यवस्था, चालकों की व्यवस्था, चालकों की सूची सहायक अभियंता युवराज सिंह सिदार उपलब्ध करायेंगे। कार्यपालन अभियंता जल पानी निकासी के लिए 5 पावर पंपों को चालकों सहित चालू हालत में रखवाना सुनिश्चित करेंगे। आयुक्त ने सौपें गये दायित्वों के प्रति लापरवाही या उदासिनता दिखलाने वाले संबंधित निगम अधिकारी/कर्मचारी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही नियमानुसार करने की चेतावनी स्पष्ट रूप से दी है। उन्होने प्रत्येक जोन क्षेत्र के तहत आने वाले जेसीबी, ट्रक, टिप्पर, एम्बुलेंस, जनरेटर वाहनों के मालिकों एवं वाहन चालकों के मोबाईल नंबर लेकर रखने के निर्देश दिये है, ताकि आपात स्थिति में उन्हें तत्काल बुलवाया जा सके। आयुक्त ने सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को रायपुर जिला कार्यालय, पुलिस, सिंचाई विभाग, होमगार्ड के विभागीय कंट्रोल रूम के दूरभाष नंबर एवं उनके प्रभारी अधिकारियों के मोबाईल नंबर रखकर उनसे सतत सम्पर्क प्रशासनिक तौर पर बनाये रखना सुनिष्चित करने के निर्देश दिये है। सभी जोन कमिश्नरों को जोन स्तर पर बाढ़ नियंत्रण प्रकोष्ठ का गठन करके निगम मुख्यालय को सूचित करने निर्देशित किया गया है।

तेंदूपत्ता संग्रहण में आई कमी, लक्ष्य से पिछड़े

- बेमौसम बारिश मानी जा रही वजह

राजनांदगांव। राजनांदगांव जिला भी तेंदूपत्ता संग्रहण में पिछड़ गया है। 78 हजार 500 बोरे के लक्ष्य के विपरित 71 हजार मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण गोदामों में किया गया है। डीएफओ आयुष जैन ने गोदामों में पहुंचकर तेंदूपत्ता संग्रहण के कार्यो का जायजा लिया। उन्होंने पत्तों की गुणवत्ता भी देखी। तेंदूपत्ता संग्रहण पूरी तरह से नहीं होपाया है। लक्ष्य की भी पूर्ति भी नहीं होपायी है। समय सीमा के भीतर71 हजार मानक बोरा तेंदूपत्ता कासंग्रहण कराया गया है जबकि वर्ष2024-25 में 80 हजार 800 मानक बोरातेंदूपत्ता संग्रहण कराने का लक्ष्य रखा गयाथा। नांदगांव जिले के बन क्षेत्र के अंतर्गतआने वाले मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकीसे लेकर बागनदी, छुरिया, डोंगरगांवसहित अन्य वन क्षेत्रों में तेंदूपत्ता कासंग्रहण सुनिश्चित कराने के लिए 669फड़ की व्यवस्था कराई गई थी। निर्धारितसमय के भीतर 51 समितियों के माध्यमसे तेंदूपत्ता का संग्रहण कराया गया। विशेष रूप से दक्षिण मानपुर के अंतर्गतआने वाले आंधी, कारेकट्टा, उरेली,अलोरा, उत्तर मानपुर के अंतर्गत आनेवाले कोहका, खैरकट्टा, घोटिया,मानपुर, इरागांव, खरदी, तोलूम तथामोहला के अंतर्गत आने वाले रामगढ़, पांडरवानी, पारसघाट, गोटाटोला, कुम्हड़ी, छुरिया, मोहला, भोजटोला, अंबागढ़ चौकी विकासखंड के मुड़पार,चिल्हाटी, भड़सेना, अरजकुंड, खुज्जी, परेवाडीह, आसरा, बागनदी, हाटबंजारी, चारभांठा, बेंदाड़ी, पंडरापानी, खोभासहित अन्य बन क्षेत्र में तेंदूपत्ता कासंग्रहण कराया गया। तेंदूपत्ता का संग्रहणसुनिश्चित कराने के लिए 51 समितियांगठित की गई थी। वर्ष 2024-25 में80800 मानक बोरा तेंदूपत्ता संग्रहणकराने का लक्ष्य रखा गया था, जिसकेएवज में मात्र 78500 मानक बोरातेंदूपत्ता का संग्रहण कराया गया है।

ग्रामीण स्वरोजगार संस्थान के 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में ग्रामीण महिलाओं ने सीखा घरेलू उत्पाद बनाना

जगदलपुर। ग्रामीण स्वरोजगार संस्थान जगदलपुर द्वारा 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन ग्राम पंचायत आसना में किया गया, जिसका मूल्यांकन रविवार 02 जून 2024 को किया गया। इस शिविर में 21 ग्रामीण महिलाओं ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया और अचार-पापड़ एवं मसाला पाउडर बनाने का प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस प्रशिक्षण शिविर का आयोजन आरसेटी के मार्गदर्शन में किया गया, जिसमें प्रमुख रूप से स्टेट कंट्रोलर आरसेटी अरुण सोनी और आरसेटी निदेशक हेमंत सलाम का विशेष योगदान रहा। प्रशिक्षण के मूल्यांकन के लिए आए मूल्यांकनकर्ता अंजलि रजक एवं शालिनी गौतम के द्वारा कौशल और सीखने की प्रक्रिया का मूल्यांकन किया गया। शिविर में मोनिका निषाद ने महिलाओं को प्रत्येक प्रक्रिया का गहन प्रशिक्षण दिया। आरसेटी जगदलपुर के फैकल्टी मेंबर एन. मधुसूदन, रूमा राय और कार्यालय स्टाफ दयाराम मौर्य एवं राहुल बघेल ने भी इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को स्वरोजगार के लिए प्रशिक्षित करना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। ये संस्थान विभिन्न प्रकार के कौशल विकास कार्यक्रमों का आयोजन करता है जिससे प्रतिभागियों को नए-नए रोजगार के अवसर प्राप्त हो सके। आरएसईटीआई का प्रयास है कि ग्रामीण युवाओं और महिलाओं को तकनीकी और व्यावसायिक प्रशिक्षण देकर उन्हें स्वावलंबी बनाया जाए।

लौहनगरी किरंदुल में संभाग स्तरीय बॉलीबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ

किरंदुल। लौहनगरी किरंदुल में करीबन 41 वर्षो पूर्व गठित बाल संस्था बॉलीबाल क्लब के द्वारा प्रति वर्ष एनएमडीसी किरंदुल परियोजना के सहयोग से संभागस्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किरंदुल नगर में करवाया जाता रहा है।इसी तारतम्य में नगर के फुटबाल ग्राउंड में चार दिवसीय संभागस्तरीय वॉली बॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। जो कि 2 जून से 5 जून तक चलेगा।यह प्रतियोगिता दो चरणों मे कराया जा रहा है।जिसमें संभाग की कुल 24 टीमें भाग ले रही है।पहले चरण में संभाग की 16 शहरी टीमें रहेगी तथा दूसरे चरण में ग्रामीण क्षेत्रों की आठ टीमें हिस्सा ले रही है। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला 5 जून को खेला जाएगा।उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि किरंदुल परियोजना के मुख्य महाप्रबंधक पदमनाभ नाइक थे विशिष्ट अतिथि कार्मिक प्रमुख बी के माधव,एटक के सचिव राजेद संधू, अध्यक्ष देवरायलु, इंटक के शैलेश रथ उपस्थित थे। मुख्य अतिथि द्वारा रिबन काट कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया।उद्घाटन मैच बाल संस्था किरंदुल विरुद्ध मटेनार के मध्य खेल गया।जिसमें बाल संस्था की टीम विजयी रही।इस दौरान बाल संस्था वॉलीबॉल क्लब के सुनील ठाकुर, एंकतेश्वर राव, हरीश राय, प्रेमशंकर, चिन्ना, जी अमन उपस्थित रहे टूर्नामेंट का मंच संचालन राजनाथ ने किया ।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

खेल-व्यापार

रायपुर गुरूवार 06 जून 2024

व्यापार समाचार

शाश्वत विकास की दिशा में और एक कदम बढ़ातें हुए मैग्निफ्लैक्स इंडिया की ओर से मैग्निजिओ की शुरुआत

नई दिल्ली - विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में मैग्निफ्लेक्स इस लक्ज़री मैट्रेस ब्रान्ड की ओर से आज मैग्निजिओ इस नए मैट्रेस की शुरुआत करनें की घोषणा की. यह मैट्रेस सर्वोत्कृष्ट आराम देनेंवाली होनें के साथ ही शाश्वत पर्यावरण की गारंटी भी देती है. विश्वभर में बढ़ते तापमान और पर्यावरण पर होनेंवाले घातक परिणाम के चलते यह दिखाई देता है की अपना ग्रह बड़े संकट की कगार पर खड़ा है. मैग्निजिओ की शुरुआत करतें हुए मैग्निफ्लेक्स इंडिया ने अब शाश्वत भविष्य की ओर अपनीं यात्रा शुरु की है. मैग्निफ्लेक्स ने यह योजना बनायी है की हर एक मैग्निजिओ की खरीद पर ग्राहक के नाम से एक पेड़ लगाया जाएगा और उस का प्रमाणपत्र उन्हें या उनकें परिजनों के नाम से जारी किया जाएगा. अपनें इस नए उत्पाद के बारें में जानकारी देते हुए मैग्निफ्लेक्स के प्रबंध निदेशक आनंद निचानी ने कहा मैग्निफ्लेक्स ने हरदम बढ़ोत्तरी पर ध्यान देनें के साथ ही नवीनतम निर्मिती के साथ ग्राहकों के समाधान पर अधिक ध्यान दिया है. हर एक ग्राहकों की बदलती जरुरतों को पूर्ण करनें के लिए हमनें हरदम ग्राहकों को प्रिमियम स्लीप सोल्युशन्स उपलब्ध करानें पर हमें गर्व है. मैग्निजिओ के माध्यम से हम आरामदायक उपायों के साथ हम पर्यावरण के प्रती हमारी जिम्मेदारी भी हम पूर्ण कर रहें है. गुणवत्तापूर्ण मैट्रेसेस की बढ़ती मांग के मद्देनजर मैग्निफ्लेक्स इंडिया ने मैग्निफ्लैक्स इन्वेस्टमेंट प्लान (एमआईपी) की शुरुआत की है. इस के तहत अब ग्राहकों को इक्रेटेड मंथली इन्स्टॉलमेंट (ईएमआई) योजना शुरु की है. इस योजना के कारण ग्राहकों को आसान ईएमआई पर्याय उपलब्ध होगा और वे उनके पसेंदीदा मैट्रेसेस की खरीददारी इस योजना के तहत कर सकते है।

ले ट्रैवेन्यूज़ टेक्नोलॉजी लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम 10 जून, 2024 को खुलेगा

नईदिल्ली। ले ट्रैवेन्यूज़ टेक्नोलॉजी लिमिटेड ("ixigo" या कंपनी), सोमवार, 10 जून, 2024 को इक्विटी शेयरों के अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के संबंध में अपनी बोली/प्रस्ताव खोलेगी। कुल ऑफर साइज़ में 1 रुपए मूल्य के इक्विटी शेयरों का नया निर्गम शामिल है, जो कुल 1,200.00 मिलियन रुपए तक है (नया निर्गम। इसमें विक्रय शेयरधारकों (नीचे परिभाषित) द्वारा 1 रुपए अंकित मूल्य के 66,677,674 इक्विटी शेयरों की बिक्री के लिए ऑफर फॉर सेल (बिक्री के लिए प्रस्ताव) भी शामिल है। एंकर निवेशक बोली की तिथि शुक्रवार, 07 जून, 2024 होगी। बोली/प्रस्ताव सदस्यता के लिए सोमवार, 10 जून, 2024 को खुलेगा और बुधवार, 12 जून को बंद होगा। ऑफर का प्राइस बैंड 88 रुपए से 93 रुपए प्रति इक्विटी शेयर है। न्यूनतम 161 इक्विटी शेयरों के लिए और उसके बाद 161 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोलियाँ लगाई जा सकती हैं। बिक्री के लिए प्रस्ताव में सैफ पार्टनर्स इंडिया लिमिटेड द्वारा 19,437,465 इक्विटी शेयरों तक, पीक - पार्टनर्स इन्वेस्टमेंट (जिसे पहले SCI इन्वेस्टमेंट के रूप में जाना जाता था) द्वारा 13,024,000 इक्विटी शेयरों तक, आलोक बाजपेयी द्वारा 11,950,000 इक्विटी शेयरों तक, रजनीश कुमार द्वारा 11,950,000 इक्विटी शेयरों तक, माइक्रोमैक्स इंफॉर्मेटिक्स लिमिटेड द्वारा 5,486,893 इक्विटी शेयरों तक, प्लासिड होल्डिंग्स द्वारा 3,048, 375 इक्विटी शेयरों तक, मैडिसन इंडिया ऑपर्च्युनिटीज ट्रस्ट फंड के ट्रस्टी के रूप में कैटेलिस्ट ट्रस्टीशिप लिमिटेड (पूर्ववर्ती माइलस्टोन ट्रस्टीशिप सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड) द्वारा 1,333,513 इक्विटी शेयरों तक और मैडिसन इंडिया कैपिटल एचसी (सामूहिक रूप से, Selling Shareholders) शामिल है। यह इक्विटी शेयर कंपनी के 4 जून, 2024 के रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के माध्यम से पेश किए जा रहे हैं। जो रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज, दिल्ली और हरियाणा, नई दिल्ली (आरएचपी) के पास दाखिल किए गए हैं और इन्हें बीएसई लिमिटेड (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई) में सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। यह ऑफर एससीआरआर के नियम 19(2)(बी) के साथ सेबी आईसीडीआर विनियमनों के विनियमन 31 के अनुसार किया जा रहा है। यह ऑफर सेबी आईसीडीआर विनियमनों के विनियमन 6(2) के अनुपालन में बुक बिल्डिंग प्रक्रिया के माध्यम से किया जा रहा है।

एशियन पेंट्स ने नियोभारत की ओर से दी जाने वाली क्रिकेट स्कॉलरशिप के साथ नए क्रिकेटरों के लिए राह आसान कर दी है

रायपुर । भारत की सबसे बड़ीपेंट और डेकॉर कंपनी, एशियन पेंट्स, ने 5 से 14 साल के युवा क्रिकेट खिलाड़ियों को ध्यान में रखकर 'नियोभारत द्वारा पेश की गयी स्कॉलरशिप' लॉन्चकी। यह पहल उनके ब्रांड के सिद्धांत - 'हर घर खेलेगा, हर घरखिलेगा'' को दर्शाती है, इससे हर घर में प्रगति और विकास के अवसर पहुंचाने के उनके गंभीर संकल्प का पता चलता है। इस नए अभियान के ब्रांड एंबेसडर विराट कोहली के साथ, एशियन पेंट्स का लक्ष्य माता-पिता और बच्चों को इस अवसर का लाभ उठाने और क्रिकेट स्कॉलरशिप के लिए नाम लिखवाने के लिए प्रेरित करना है। यह पहल टियर 2 और टियर 3 मार्केट में भारतीयों की उम्मीदों को मजबूत बनाने के नियोभारत के विचार का हिस्सा है। इसका उद्देश्य उभरती हुई क्रिकेट प्रतिभाओं को खोजना और उनको सुविधाएं उपलब्ध कराना है ताकि उन्हें अपने खेल को बेहतर बनाने और अपने जुनून को आगे बढ़ाने का मौका मिल सके। नियोभारत द्वारा दी जाने वाली इस क्रिकेट स्कॉलरशिप में 100 होनहार युवाओं में से प्रत्येक को 2 लाख रुपये की स्कॉलरशिप मिलेगी। प्रतियोगियों का मूल्यांकन दो पूर्व क्रिकेटरों द्वारा, खेल के प्रोफेशनल सेटअप में हुनर के आधार पर किया जाएगा। क्रिकेट स्कॉलरशिप के लिए आवेदन 30जून, 2024 तक खुले हुए हैं, इसके लिए नियोभारत एशियन पेंट्स की वेबसाइट – https://neobharatcricketscholarship.in/ द्वारा आवेदन किया जा सकता है। नियोभारत क्रिकेट स्कॉलरशिप पर बात करते हुए, एशियन पेंट्स के एमडी और सीईओ, अमित सिंगल, ने कहा, एशियन पेंट्स में हमारा लक्ष्य यही है कि हम घरों को सुंदर बनाने में लोगों की मदद करके उनके जीवन में खुशियां लाएं।

फजलहक फारूकी ने किया अपना सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन, चटकाए 5 विकेट

टी-20 विश्व कप 2024

नईदिल्ली। टी-20 विश्व कप 2024 के 5वें मैच में अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज फजलहक फारूकी ने युगांडा क्रिकेट टीम के खिलाफ घातक गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट अपने नाम किए।यह उनके टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर और विश्व कप में पहला 5 विकेट हॉल है।उनकी गेंदबाजी के कारण ही युगांडा की टीम 184 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए ताश के पत्तों की तरह केवल 58 रनों पर बिखर गई।आइए फारूकी की गेंदबाजी और आंकड़े जानते हैं।

फारूकी ने 184 रन का लक्ष्य लेकर उतरी युगांडा टीम को 4 रन के कुल स्कोर पर रोनक पटेल (4) के रूप में पहला झटका देते हुए अपने विकेटों का खाता खोला।इसके बाद उन्होंने शानदार गेंदबाजी जारी रखी और रोजर मुकासा (0), रियाजत अली शाह (11), रोबिन्सन ओबुया (14) और ब्रायन मसाबा (0) को भी अपना शिकार बनाया।उन्होंने अपने कोटे के 4 ओवर में केवल 9 रन खर्च कर 5 विकेट अपने नाम किए।

फारूकी का यह प्रदर्शन टी-20 विश्व कप में अफगानिस्तान के लिए सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन है।उन्होंने इस मामले में मुजीब उर रहमान को पीछे छोड़ दिया है, जिन्होंने 2021 संस्करण में स्कॉटलैंड के खिलाफ 4 ओवर में 20 रन देकर 5 विकेट चटकाए थे।इसी तरह यह फारूकी का यह प्रदर्शन टी-20 विश्व कप इतिहास का चौथा सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन है। इस मामले में मेंडिस पहले, रंगना हेराथ (5/3) दूसरे और उमर गुल (5/6) तीसरे नंबर पर हैं।

फारूकी का यह प्रदर्शन टी-20 विश्व कप इतिहास का दूसरा सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन है।इस मामले में श्रीलंका के पूर्व मिस्ट्री स्पिनर अजंता मेंडिस पहले पायदान पर है, जिन्होंने साल 2012 के संस्करण में जिम्बाब्वे के खिलाफ 4 ओवर में 2 मेडन के साथ 8 रन देकर 6 विकेट चटकाए थे।इस मामले में बांग्लादेश के महमदुल्लाह तीसरे पायदान पर आ गए हैं। उन्होंने 2014 संस्करण में अफगानिस्तान के खिलाफ 4 ओवर में 8 रन देकर 1 विकट लिया था।

फारूकी ने साल 2021 में जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम के खिलाफ अपने टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का आगाज किया था।वह अब तक 35 मैच खेल चुके हैं, जिसमें 20.33 की औसत और 18.48 की इकॉनमी से 42 विकेट अपने नाम किए हैं।उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन इसी मैच में आया है। यह उनका पहला ही 5 विकेट हॉल भी रहा है। इसी तरह वह अपने करियर में 9 पारियों में 6 रन भी बना चुके हैं।

स्वितोलिना को हराकर रिबाकिना क्वार्टरफाइनल में

पेरिस। चौथी सीड एलेना रिबाकिना ने 15 वीं सीड एलिना स्वितोलिना को मात्र 69 मिनट में 6-4, 6-3 से हराकर दूसरी बार फ्रेंच ओपन के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया।

रिबाकिना का अगला मुकाबला 12 वीं सीड जैस्मिन पाओलिनी से होगा, जिन्होंने एलिना अवनेस्यान को 4-6, 6-0, 6-1 से हराकर पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के अंतिम आठ में जगह बनाई।

रिबाकिना का ओवरआल यह पांचवां ग्रैंड स्लैम क्वार्टरफाइनल है और पिछले वर्ष विम्बलडन के बाद यह पहला ग्रैंड स्लैम क्वार्टरफाइनल है। उन्होंने टूर्नामेंट में अब तक एक भी सेट नहीं गंवाया है।

रिबाकिना का 2024 में यह कुल नौंवां क्वार्टरफाइनल है। उन्होंने तीन डब्लूटीए टूर खिताब जीते हैं और उनका ओवरआल रिकॉर्ड 34-5 पहुंच गया है। रिबाकिना ने स्वितोलिना के खिलाफ मैच में पांच एस सहित 26 विनर्स लगाए।

युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ी मीरा एंड्रीवा ने अपना शानदार फॉर्म जारी रखते हुए अपने पहले ग्रैंड स्लैम क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। उन्होंने मुख्य ड्रा में आखिरी फ्रेंच महिला वारवरा ग्राचेवा को 7-5, 6-2 से सोमवार को प्री क्वार्टरफाइनल में हराया। हाल में 17 वर्ष की हुई एंड्रीवा का सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए दूसरी वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका से मुकाबला होगा।

प्राग्नानंदा ने विश्व चैंपियन डिंग लिरेन को हराकर एक और अपसेट किया

स्टावेंजर (नॉर्वे)। भारत के प्रतिभाशाली खिलाड़ी आर प्राग्नानंदा ने सोमवार को नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में विश्व चैंपियन डिंग लिरेन को हराकर एक और बड़ा उलटफेर किया।

यह टूर्नामेंट में उच्च रैंक वाले खिलाड़ियों के खिलाफ प्राग्नानंदा की तीसरी जीत थी। इससे पहले, उन्होंने मैग्नस कार्लसन और फैबियानो कारुआना को हराया था।

नॉर्वे शतरंज ने इस मौके पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, जीएम प्राग्नानंदा ने विश्व नंबर 1 मैग्नस कार्लसन और विश्व नंबर 2 फैबियानो कारूआना को उनके क्लासिकल गेम में हराया और अब उन्होंने विश्व चैंपियन डिंग लिरेन को उनके आर्मगेडन गेम में हराया।

अन्य क्लासिकल बाजियों में, मैग्नस कार्लसन को हिकारू नाकामुरा के खिलाफ अपना आर्मगेडन गेम गंवाना पड़ा। दूसरी ओर, फैबियानो कारुआना और अलीरेजा फिरोजा ने अपना आर्मगेडन गेम ड्रॉ किया।

सातवें राउंड के बाद, कार्लसन 13 अंकों के साथ शीर्ष पर बने हुए हैं। वहीं नाकामुरा 12 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं, जबकि प्राग्नानंदा 11 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

प्राग्नानंदा 8वें राउंड में लीडर कार्लसन से भिड़ेंगे।

इस बीच, वैशाली को लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा, क्योंकि वह हमवतन कोनेरू हम्पी से हार गईं।

वैशाली 11 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर बनी हुई हैं। अन्ना मुजिचुक 12 अंकों के साथ शीर्ष पर हैं, जबकि जू वेनजुन 11.5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। वैशाली अब 8वें राउंड में अन्ना मुजिचुक से भिड़ेंगी।

माइक्रोसॉफ्ट ने की छंटनी की घोषणा, 1,000 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला

नईदिल्ली। टेक दिग्गज कंपनी माइक्रोसॉफ्ट एक बार फिर बड़ी संख्या में अपने कर्मचारियों को नौकरी से निकाल रही है।रिपोर्ट के अनुसार, माइक्रोसॉफ्ट ने 1,000 कर्मचारियों की छंटनी करने की घोषणा की है। इस छंटनी से होलो लेंस 2 पर काम करने वाले कंपनी के मिक्स्ड रियलिटी विभाग के कर्मचारी सबसे अधिक प्रभावित होंगे।इसके अतिरिक्त, कंपनी ने कुछ अन्य विभागों से भी सैकड़ों कर्मचारियों को नौकरी से निकाला है। रिपोर्ट के अनुसार,

कंपनी ने अज्योर के ऑपरेटर और इंजीनियरिंग विभाग से भी सैकड़ों कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है।छंटनी का यह दौर माइक्रोसॉफ्ट द्वारा 10,000 से अधिक लोगों को नौकरी से निकाले जाने के एक साल से अधिक समय बाद आया है।माइक्रोसॉफ्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सत्य नडेला ने कहा कि कंपनी अपने हार्डवेयर पोर्टफोलियो में बड़े स्तर पर बदलाव कर रही है। माइक्रोसॉफ्ट के प्रवक्ता क्रेग सिनकोटा ने छंटनी के फैसले पर कहा, हमने माइक्रोसॉफ्ट के मिक्स्ड रियलिटी विभाग के पुनर्गठन की घोषणा की। हम रक्षा विभाग के आईवीएएस कार्यक्रम के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं और अपने सैनिकों का समर्थन करने के लिए अत्याधुनिक तकनीक प्रदान करना जारी रखेंगे। उन्होंने आगे कहा, हम व्यापक मिक्स्ड रियलिटी हार्डवेयर के इको सिस्टम तक पहुंचने के लिए डब्लू365 में निवेश करना जारी रखेंगे।

शेयर बाजार में बिकवाली से निवेशकों के डूबे 20 लाख करोड़ रुपये

मुंबई,। एग्जिट पोल के उलट मंगलवार को लोकसभा चुनाव की मतगणना के दिन एनडीए और इंडिया गठबंधन में कांटे की टक्कर के बीच भारतीय शेयर बाजार में शुरुआती कारोबार में बड़ी गिरावट देखने को मिली। कारोबार के शुरुआती 20 मिनट में ही निवेशकों के करीब 20 लाख करोड़ रुपये डूबे गए। जानकारी के मुताबिक, मंगलवार के सत्र में सुबह 9:35 तक बीएसई का मार्केट कैप 406 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को छू गया, जो कि सोमवार को बाजार बंद होने पर 426 लाख करोड़ रुपये पर था। भारतीय बाजार मंगलवार को बड़ी गिरावट के साथ खुले थे। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 2,713 अंक या 3.55 प्रतिशत और निफ्टी 838 अंक या 3.65 प्रतिशत फिसल गया था। हालांकि, बाजार में बाद में रिकवरी देखने को मिली है। सुबह 10:18 बजे तक सेंसेक्स 1,459 अंक या 1.91 प्रतिशत की गिरावट के साथ 75,009 अंक पर और निफ्टी 448 अंक या 1.93 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,815 अंक पर था। बाजार में उतार-चढ़ाव दर्शाने वाला इंडिया विक्स 15.14 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24.24 अंक पर है। एग्जिट पोल के नतीजे मौजूदा सरकार के पक्ष में आने के कारण सोमवार को बाजार में बड़ी तेजी देखने को मिली थी। सेंसेक्स 2,507 अंक या 3.39 प्रतिशत बढ़कर 76,468 अंक और निफ्टी 733 अंक या 3.25 प्रतिशत बढ़कर 23,263 अंक पर बंद हुआ।

शब्द सामर्थ्य -078

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. घुमाव-फिराव वाला, आड़ा-तिरछा, जो कठिन हो 3. कुशलता, दक्षता, विशेषज्ञता 6. लोग, प्रजा 7. सीता, जनकनंदनी 9. सुंदर, कामना करने योग्य 10. क्रोधपूर्वक बोलने को उद्यत होना, जोश में आना, क्रोधातिरेक में चेहरे का लाल होना 13. अधीनता, मातहती, वश 14. दबाव, भार, वजन 16. हद, मर्यादा 18. प्रमाण-पत्र, प्रमाणिक कथन या बात 19. पछताना (मुहा.) 21. अनुचित मिश्रण, मिलावट 22. विफल, बेहोश, बौखलाया हुआ।

ऊपर से नीचे

1. सहारा, आश्रय, प्रतिज्ञा, संकल्प 2. परिश्रम 4. रात, रात्रि, निशा 5. पुत्र, बेटा 8. मूल्य, दाम 9. कपड़े का मोटा परदा 11. संदेश भेजना, उच्चारण कराना, कहलवाना 12. मृतकों को जीवित और रोगियों को स्वस्थ कर देने वाला व्यक्ति, प्रेमपात्र की संज्ञा 14. देने की क्रिया, खैरात 5. कुमार्गी, दुराचारी 17. मस्तक, माथा, ललाट 18. प्रश्न, समस्या 20. सहायता, सहारा 21. पशुओं को खिलाने वाली हरी पत्तियां, तृण, तिनका।

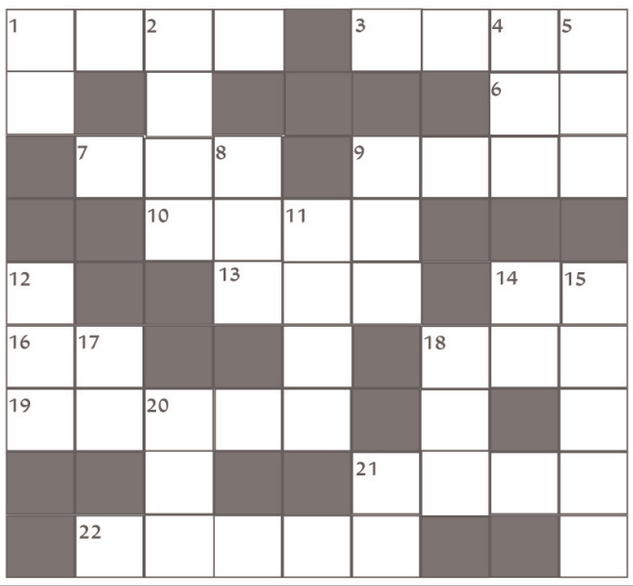

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 077 का हल

ज	द्दो	जे	ह	द	■	स	पू	त
ल	■	ब	ल	वा	न	■	■	द
म	ह	क	■	खा	म	खां	■	बी
ग्न	■	त	ल	ना	■	स	फ	र
■	म	रा	■	■	■	ना	टा	■
■	हि	■	स	■	■	■	फ	न
■	ला	ज	वा	ब	■	म	ट	र
मां	■	ग	■	सं	त	ति	■	भ
■	मा	त	ह	त	■	■	प	क्षी

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार 04 रायपुर

मामले की श्रेणी: राजस्व

संदर्भ: जिला रायपुर तहसील-रायपुर प.ह.न.-00083 कान्दुल ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण

क्रमांक- RD2023244407269000 90

ईश्तहार

तहसील रायपुर के प.ह.न. 00083 के अंतर्गत ग्राम कान्दुल के वर्तमान भूमिस्वामी शत्रुहन पि. बिसाहू सुदर्शन, अनिता, शत्रुपा पि. पिता/पति-संतराम, अवध, कुंती, गुलापा पि.बिसाहू पता-सा. देह के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 242/2(0.0280), 42/3(1.1690) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता बीरसिंग साहू पिता/पति-शत्रुहन पता-कान्दुल रायपुर तहसील व जिला रायपुर, सुदर्शन, अनिता, शत्रुपा पिता/पति-संतराम, अवध, कुंती, गुलापा पि.बिसाहू पता-कान्दुल रायपुर तहसील व जिला रायपुर, श्रीमती जाम बाई पिता/पति-शत्रुहन पता-कान्दुल रायपुर तहसील व जिला रायपुर के नाम पर पंजीयन/फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 24/06/2024 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय आतिरिक्त तहसीलदार 04 रायपुर पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध मैं जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 30/05/2024 को जारी किया जाता है।

अतिरिक्त तहसीलदार
Tulsi Rathore
रायपुर

मुहर

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dvpnews.in
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, गुरुवार 06 जून 2024

अगले दो दिनों में छत्तीसगढ़ पहुंचेगा मानसून

रायपुर (विसं)। दक्षिण- पश्चिम मानसून अगले दो दिनों में छत्तीसगढ़ पहुंच जाएगा। मौसम विभाग ने राज्य दक्षिणी हिस्सों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के मुताबिक, बस्तर, बीजापुर, दंतेवाड़ा, कोंडागांव, नारायणपुर, सुकमा में अलग-अलग स्थानों में बिजली गिरने और गरज चमक के साथ बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार अगले पांच दिनों तक तापमान में विशेष बदलाव की संभावना नहीं है। मानसून लगातार आगे बढ़ रहा है। बस्तर में प्री-मानसून की बारिश शुरू हो गई है। अगले दो दिनों यानी 7-8 जून तक मानसून के दक्षिण छत्तीसगढ़ पहुंचने की संभावना है।

संक्षिप्त समाचार

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने लोकसभा निर्वाचन में सहभागिता देने वाले सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, संगठनों और मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले ने लोकसभा आम निर्वाचन-2024 में सहभागिता देने वाले सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, शासकीय एवं अशासकीय संगठनों, लोक सेवी संस्थाओं तथा मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मतदाताओं ने उत्साहपूर्वक अपने मताधिकार का प्रयोग कर लोकतांत्रिक व्यवस्था में अपनी सहभागिता दी है। उन्होंने निर्वाचन कार्य में संलग्न एवं नियोजित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को धन्यवाद ज्ञापित किया है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती कंगाले ने केन्द्रीय सुरक्षा बलों और राज्य पुलिस बल के प्रति आभार व्यक्त किया, जिन्होंने स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचन कराने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया। उन्होंने प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं वेब मीडिया के सभी पत्रकारों के प्रति भी आभार व्यक्त किया है जिन्होंने आम निर्वाचन के दौरान निर्वाचन से संबंधित महत्वपूर्ण दिशा-निर्देशों एवं निर्वाचन गतिविधियों का प्रभावी रूप से प्रचार-प्रसार किया। उन्होंने लोकतंत्र के इस महापर्व में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से शामिल सभी शासकीय एवं गैर शासकीय प्रतिभागियों, विभिन्न लोक सेवी संस्थाओं और संगठनों के प्रति आभार व्यक्त किया है।

रायपुर रेल मंडल के संरक्षा विभाग द्वारा 4 से 10 जून तक समपार फाटक जागरूकता अभियान

रायपुर (विश्व परिवार)। दिनांक 04.06.24 से 10.06.24 तक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल के संरक्षा विभाग के द्वारा समपार फाटक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत दिनांक 04.06.24 को संरक्षा अधिकारियों, संरक्षा सलाहकारों एवं सिविल डिफेंस वोलैंटियर के द्वारा सरस्वती नगर एवं आर वी एच स्टेशन, एवं विभिन्न समपार फाटकों जैसे खमतराई गेट, सरस्वती नगर, कुगदा गेट, कचना, वी आई पी, जोरा गेट, सेरीखेरी गेट सहित कुल 08 गेट तथा इसके अलावे साईबाबा पेट्रोल पंप, अभय पेट्रोल पंप मोवा सहित 6 पेट्रोल पंप तथा मोवा बाजार एवं कचना, खमहरडीह एवं कापा गांव में जाकर लोगों को पंपलेट वितरण करके, स्टीकर चिपका कर एवं बैनर लगाकर लोगों की काउंसलिंग की गई तथा समपार फाटक को सही तरीके से पार करने एवं इससे संबंधित अन्य महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करते हुए कुल 1103 लोगों की काउंसिलिंग की गई।

जेएसपीएल ने मनाया विश्व पर्यावरण दिवस, प्रकृति को संजोये रखने का दिया सन्देश

रायपुर (विश्व परिवार)। हर साल पर्यावरण दिवस बड़े धूम धाम से मनाया जाता हैं, हमे याद दिलाने के लिए कि हम प्रकृति से जुड़े हुए हैं न कि प्रकृति हमसे और समय रहते हम प्रकृति को बचाने के लिए पहल नहीं करेंगे तो इसका खामयाज़ा हमारी आने वाली पीढ़ियों को भुगतना पड सकता हैं।

इसी को ध्यान में रखते हुए जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड द्वारा मशीनरी डिवीज़न मंदिर हसौद के शक्ति विहार फेज 2 में 250 आम व अमरुद के पौधे लगाकर पर्यावरण एवं प्रकृति को बचाने का सन्देश दिया गया। यहाँ प्लांट के वरिष्ठ अधिकारियो कर्मचारियों सहित छोटे छोटे बच्चो ने भी पौधे लगाए व पर्यावरण को किन चीज़ो से सुरक्षित रखा जाये इसकी भी जानकारी दी गयी पौधे रोपने के बाद जहा बताया गया की रोजमर्रा की चीजों से हम प्लास्टिक को किस तरह से कम कर सकते हैं प्लास्टिक की जगह हम मिटटी, स्टील या दोना पत्तल का इस्तेमाल किस तरह से कर सकते हैं इसकी भी जानकारी दी गयी और प्लास्टिक को कम से कम इस्तेमाल करने की अपील की गयी। आजकल किस तरह से E वेस्ट से पर्यावरण को नुकसान पहुंचाया जा रहा हैं उसकी भी जानकारी दी गयी साथ ही उसके समाधान के बारे में बताया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों ने किया पौधा रोपण

एसआरयू के कुलसचिव डॉ. सौरभ शर्मा ने पर्यावरण की सुरक्षा एवं संरक्षण की दिलाई शपथ

रायपुर (विश्व परिवार)। श्री रावतपुरा सरकार विश्वद्यालय में 05 जून 2024 को विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में यूनिवर्सिटी में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने पौधा रोपण किया। यूनिवर्सिटी के कुलसचिव डॉ. सौरभ कुमार शर्मा द्वारा सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग, जल, वायु और भूमि को प्रदूषण से मुक्त रखने और सदेव पर्यावरण संरक्षण के लिए बने कानूनों और नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई गई।

विश्व पर्यावरण दिवस पर पृथ्वी की सुरक्षा और संरक्षण को अपनी जिम्मेदारी पर अपने विचार व्यक्त कर चीफ पी.आर.ओ राजेश तिवारी, आयोजक डॉ. नरेश गौतम समाज कार्य विभाग एवं अन्य शैक्षणिक और गैर शैक्षणिक स्टाफ मेम्बेर्स ने भी शपथ लेकर अपने आने वाली पीढ़ियों के एक स्वस्थ गृह बनाने का संकल्प लिया। श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. एस के सिंह एवं प्रतिकुलाधिपति श्री हर्ष गौतम ने विश्व पर्यावरण दिवस पर सभी विद्यार्थियों को पर्यावरण को सुरक्षित रखने और हमेसा हरित वातावरण बनाये रखने की सलाह दी।

दिगंबर जैन बड़ा मंदिर मालवीय रोड़ रायपुर में हर्षोल्लास से मनाया गया भगवान शान्तिनाथ का जन्म तप एवं मोक्ष कल्याणक

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर की पावन धरा पर सबके पुण्योदय से महा मुनिराज आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी का आगमन हुआ था, अल्प प्रवास में राजधानी रायपुर के अनुरूप आचार्य श्री ने (लघु तीर्थ) की परिकल्पना की थी उसी संकल्प में आगे बढते हुए मुल नायक 1008 आदिनाथ भगवान के समक्ष ट्रस्ट एवं कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा की (ज्येष्ठ कृष्ण चतुर्दशी शान्तिनाथ भगवान के जन्म, तप मोक्ष कल्याणक) के पावन दिवस पर अभिषेक, शांतिधारा, पूजन एवं कल्याणक के लाडू अर्पित किए गए। कमेटी के यशवंत जैन, सुजित जैन, लोकेश चंद्रकांत जैन, दिलीप जैन, विजय जैन, सनत जैन (टस्ट्री), कीर्ति जैन, राशु जैन, राहुल जैन, राकेश जैन, अप्पू जैन, महेन्द्र, सुनील सिंघई, संध्या जैन, सरिता जैन, शालिनी जैन व महिला मंडल की उपस्थिति में हुआ। आगमी 9 जून से 15 जून तक श्रमण संस्कृति संस्कार शिविरका आयोजन किया जा रहा है इसमें सागनेर राजस्थान से ब्रमचारी पीयूष भईया पधार रहे है। **-लोकेश चंद्रकांत जैन**

छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक में मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवसः बुजुर्गों और बच्चों ने किया वृक्षारोपण

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक, कॉर्पोरेट कार्यालय नवा रायपुर में बैंक के अध्यक्ष श्री विनोद कुमार अरोरा की अध्यक्षता में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर माननीय अध्यक्ष महोदय द्वारा एक नयी पहल करते हुए बैंक के सेवायुक्तों के बुजुर्ग माता पिता एवं बच्चों के माध्यम से वृक्षारोपण करवाया गया एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनके जुडाव का सन्देश दिया गया। बैंक के अध्यक्ष ने इस अवसर पर कहा कि पर्यावरण संरक्षण हमारी नैतिक जिम्मेदारी है एवं प्रत्येक नागरिक को इसे संरक्षित करने का अधिकतम प्रयास करना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान नीम, अशोक, कदम के विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए गए बैंक के सभी सेवायुक्तों द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं पौधों की देखभाल, समय-समय पर पानी देने तथा उनकी निगरानी करने की की शपथ ली गई। यह कार्यक्रम न केवल पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने में सफल रहा, बल्कि इससे समाज के विभिन्न आयु वर्गों के बीच एकता और सहयोग की भावना भी मजबूत हुई। ग्रामीण बैंक का यह प्रयास निश्चित रूप से एक प्रेरणादायक कदम है, जो आने वाले समय में अन्य संस्थाओं को भी इस दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित करेगा। इस अवसर पर बैंक के महाप्रबंधक एवं अन्य सभी अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहें।

एनटीपीसी नवा रायपुर में शपथ और वृक्षारोपण के साथ मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

रायपुर (विश्व परिवार)। एनटीपीसी नवा रायपुर में 05 जून, 2024 को शपथ और वृक्षारोपण के साथ विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक (डब्ल्यूआर-II, यूएसएससी और ऐश एनआई) श्री सी शिवकुमार के नेतृत्व में इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर, श्री सी शिवकुमार और श्री अरिंदम सिन्हा, कार्यकारी निदेशक (संचालन सेवाएं) ने सभी प्रतिभागियों को क्रमशः हिंदी और अंग्रेजी में पर्यावरण शपथ दिलाई। बाद में, सभी कर्मचारी कार्यालय परिसर के बाहर आयोजित सामूहिक वृक्षारोपण कार्यक्रम में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में श्री एस के घोष, ईडी-ओएस, श्री यू एच गोखे, ईडी, सीपीजी-I, मुख्य महाप्रबंधक, महाप्रबंधक और अन्य कर्मचारियों ने भाग लिया।

कवासी लखमा की तबीयत बिगड़ी

जगदलपुर (आरएनएस)। बस्तर लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी और कोंटा विधायक कवासी लखमा की अचानक तबीयत बिगड़ गई। उन्हें देर रात उल्टियां और सीने में दर्द हुई। जिसके बाद डॉक्टर्स ने उनका इलाज किया। अभी उनकी स्थिति सामान्य बताई जा रही है। डॉक्टर्स ने उन्हें आराम करने की सलाह दी है। बताया जा रहा है कि लोकसभा चुनाव में हारने के बाद से कांग्रेस प्रत्याशी कवासी लखमा बेचैन थे। रात में उन्हें उल्टियां हुई। वहीं बुधवार सुबह अचानक उनके सीने में दर्द उठा। जिसके बाद डॉक्टरों की टीम उनका इलाज करने घर पहुंची। फिलहाल उनकी स्थिति सामान्य बताई जा रही है। डॉक्टरों ने उन्हें आराम करने को कहा है।

पर्यावरण संतुलन के लिये अपने व्यवहार में परिवर्तन लायें : डॉ. के. सुब्रमणियम

मण्डल द्वारा आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में दिव्यांग श्रेणी से प्रथम कु. आसिया बानो व द्वितीय गौकरण पटेल

रायपुर (विश्व परिवार)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल द्वारा आज 5 जून, 2024 को न्यू कन्वेन्शन हॉल नवीन विश्राम गृह, सिविल लाईन, रायपुर में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं का विषय ''जलवायु परिवर्तन सदी की सबसे बड़ी चुनौती'' रखा गया। पोस्टर प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित करते हुए डॉ के. सुब्रमणियम, सदस्य राज्य योजना आयोग ने कहा कि पर्यावरण संतुलन के लिये हमें अपनी जीवन शैली में परिवर्तन लाना होगा। हमारा जीवन जितना सरल होगा, हमारी आदतें व व्यवहार जितना कम भौतिकवादी होगा, उतना ही हम पर्यावरण को सुरक्षित रख पायेंगे। डॉ सुब्रमणियम ने पर्यावरण संरक्षण के लिये स्कूली बच्चों को आगे आ कर इस अभियान में शामिल होने का आह्वान किया।

मण्डल द्वारा आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता चार आयु वर्ग में रखी गई थी प्रथम वर्ग 12 वर्ष तक, द्वितीय वर्ग 13 से 17 वर्ष, तृतीय वर्ग 18 से 21 वर्ष एवं चतुर्थ वर्ग दिव्यांग जन में आयोजित की गई। प्रदेश स्तरीय आयोजित इन प्रतियोगिताओं में लगभग चार सौ पचास स्कूली व महाविद्यालयीन छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। पोस्टर प्रतियोगिता-12 वर्ष तक आयु वर्ग में प्रथम- कु. नेहा कोसले, द्वितीय- कु. कीर्ति कमार, तृतीय-श्री प्रियांशु साहू, आयु वर्ग 13 से 17 वर्ष तक प्रथम-श्री ललित नायक, द्वितीय-श्री आदित्य चौरसिया, तृतीय-कु. भारती यादव, आयु वर्ग 18 से 21 तक प्रथम-कु. आंचल चौरसिया, द्वितीय-श्री रितिक पहारिया, तृतीय-श्री आलोक पटेला, इसी क्रम में पोस्टर प्रतियोगिता हेतु दिव्यांग श्रेणी से-प्रथम-कु. आसिया बानो, द्वितीय-श्री गौकरण पटेल एवं तृतीय-श्री गिरिजा शंकर साहू रहे। प्रतिभागियों को आकर्षक नगद पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर उद्योग प्रतिनिधि, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण के अधिकारी व बडी संख्या में स्कूली छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर मंडल रेल प्रबंधक संजीव कुमार एवं अध्यक्षा सेक्रो श्रीमती मेघा एस. कुमार ने किया वृक्षारोपण

मंडल रेल प्रबंधक द्वारा पौधारोपण एवं पर्यावरण को बचाने की शपथ दिलाई गई

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रतिवर्ष 05 जून को संपूर्ण राष्ट्र में विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन किया जाता है। इस अवसर पर वृक्षारोपण एवं पर्यावरण से संबंधित अनेको कार्यक्रम भी आयोजित किये जाते है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल में आज दिनांक 5 जून 2024 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण के प्रति सभी लोगों में जन जागरूकता बढ़ाने हेतु मंडल रेल प्रबंधक श्री संजीव कुमार द्वारा रेलवे क्षेत्र उरकुरा में पौधारोपण किया गया। एवं मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में पर्यावरण संरक्षण की शपथ अधिकारियों कर्मचारियों को दिलाई गई।

पर्यावरण को बचाने के लिए अपनी दैनिक जीवन में हर संभव बदलाव लाने एवं अपने परिवार, मित्रों और अन्य लोगों को पर्यावरण के अनुकूल आदतों और व्यवहारों के महत्व के विषय में सतत रूप से प्रेरित करने की बात कही। पौधा रोपण का कार्यक्रम उरकुरा रेलवे परिसर में अध्यक्षा सेक्रो श्रीमती मेघा एस. कुमार एवं सेक्रो की पदाधिकारी एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक (इंफ्रा) श्री आशीष मिश्रा एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) श्री राजेंद्र कुमार साहू रायपुर रेल मंडल के अधिकारियों सहित संबंधित कर्मचारी अधिकारी उपस्थित रहें। एवं वृक्षारोपण में अपना योगदान दिया। जिसमे फलदार, छायादार एवं औषधीय पौधे लगाये। प्रकृति की हरियाली की बढ़ोत्तरी हेतु वृक्षरोपण किया गया।

ब्रह्मविद फुटबॉल अकादमी के युवा ने बुंडेसलीगा क्लब में प्रशिक्षण का अवसर पाया

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर छत्तीसगढ़ के रहने वाले विलक्षण प्रतिभा के धनी युवराज केशवानी ने प्रतिष्ठित बुंडेसलीगा फुटबॉल क्लब में प्रशिक्षण अवसर हासिल करके उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। युवराज का चयन उनके असाधारण कौशल और खेल के प्रति समर्पण के साथ ही ब्रह्मविद फुटबॉल अकादमी द्वारा दिये गये खेल वातावरण का भी परिणाम है।

इस महत्वपूर्ण उपलब्धि की शुरुआत मुंबई में बिगहिट स्पोर्ट्ज़ द्वारा आयोजित, एक कठिन चयन प्रक्रिया के साथ हुई जिसमें 11 राज्य और 100 शहरों के 200 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया। विगत दिनों आयोजित चयन प्रक्रिया ने युवा फुटबॉलरों को राष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन करने के लिए आकर्षित किया। कार्यक्रम में उपस्थित विशिष्ट अतिथियों में बुंडेसलीगा दिग्गज क्लाउडियो के अलावा पिजारो भी शामिल थे जिनका शानदार करियर आज भी दुनिया भर के महत्वाकांक्षी फुटबॉलरों को प्रेरित करता है। पिजारो के साथ, आइंट्राख्ट फ्रैंकफर्ट से खेल परियोजनाओं के प्रमुख आर्मिन क्राज़ और एफसी ऑग्सबर्ग के सह-प्रशिक्षक जोनाथन डिट्रिच जैसे प्रसिद्ध स्काउट्स ने भी यू14 चयन प्रक्रिया में अपना योगदान दिया।

भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल के बीच बढ़ते तालमेल को रेखांकित करते हुए इस ट्रायल ने इंडियन सुपर लीग और आई-लीग क्लब का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रमुख अधिकारियों का भी ध्यान आकर्षित किया। एक कठिन मूल्यांकन प्रक्रिया के बाद, युवराज 15 चयनित खिलाड़ियों में से एक बनकर उभरे जो प्रतिष्ठित बुंडेसलीगा क्लब में एक सप्ताह तक चलने वाले प्रशिक्षण शिविर में भाग लेंगे। युवराज और उनके साथी प्रशिक्षुओं के लिए यह जीवन में एक बार आने वाला अवसर है जो शीर्ष स्तरीय कोचिंग स्टाफ के मार्गदर्शन में अपने पेशेवर फुटबाल कौशल को निखारेंगे। इस प्रशिक्षण शिविर से युवराज जैसे प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों के लिए मार्गदर्शन के अलावा उनके प्रदर्शन के आधार पर बुंडेसलीगा क्लबों में उनका रिक्रुटमेंट भी संभावित है। युवराज का चयन न सिर्फ उनकी व्यक्तिगत प्रतिभा को दर्शाता है बल्कि रेखांकित भी करता है। इसके अलावा ब्रह्मविद फुटबॉल अकादमी की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। रायपुर और पूरे छत्तीसगढ़ में यह फुटबॉल जगत के लिए अत्यधिक गर्व की बात है।

युवराज की यह शानदार उपलब्धि देश भर में उभरते फुटबॉल खिलाड़ियों के लिए उम्मीद और प्रेरणा है। यह उपलब्धि बताती है कि समर्पण, दृढ़ संकल्प और अटूट विश्वास से कुछ भी संभव है। ब्रह्मविद फुटबॉल अकादमी, ब्रह्मविद द ग्लोबल स्कूल और छत्तीसगढ़ फुटबॉल एसोसिएशन युवा प्रतिभाओं को आगे लाने और उन्हें मंच प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

देर रात राजधानी रायपुर में हुई हल्की बारिश

रायपुर (आरएनएस)। राजधानी रायपुर समेत कई इलाकों में तेज हवाओं के साथ देर रात जमकर बारिश हुई। अचानक हुई इस बारिश से तापमान में कमी आई है और लोगों को गर्मी से राहत मिली है। साथ ही आज यानी बुधवार सुबह भी प्रदेश के कई इलाकों में बादल छाए हुए हैं और तेज हवाएं चल रही है।

कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर

होंठों को पतला - मोटा करें और आकर्षक बनायें.
इंजेक्शन व लेसर द्वारा
छ.ग.शासन से मान्यता प्राप्त
आर.के.सी.के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेड़ी नाका, धमतरी रोड कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay Advt.

लोन लेने के लिए ITR बनवायें मात्र 500/- में
शेखर गुप्ता ONLYTDS.COM
ITR GST
हमारे TAX Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
G.S.T. रिटर्न
Food Licence
इन्कम TAX फाईल
M.S.M.E. रजिस्ट्रेशन
TDS रिफंड
प्रोजेक्ट रिपोर्ट
IT नोटिस
डिजिटल सिग्नेचर
9300755544, 8878655544

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354